हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 7, अंकः 316, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 10 मई, 2023 दिन बुधवार गाजीपुर/वाराणसी

खरगोन में यात्रियों से भरी बस 50 फीट ऊंचे पुल से गिरी, 24 की मौत

पीएम-सीएम ने जताया दुख, मृतक और घायलों के परिजनों को मिलेगा मुआवजा

मध्य प्रदेश। खरगोन जिले में बड़ा हादसा हुआ है। बोराड़ नदी पर बने पुल से एक यात्री बस 50 फीट नीचे गिर गई। हादसे में कुल 24 लोगों की मौत हो गई है, बताया जा रहा है कि 15 लोगों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया था। जिला प्रशासन ने मौत की पुष्टि कर दी है। 20-25 लोग घायल हैं।हादसे में ड्राइवर, कंडक्टर और क्लीनर की भी मौत होने की सूचना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने खरगोन में हुई बस दुर्घटना पर दुख व्यक्त किया और मृतकों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट की हैं। हादसे में नौ महिलाएं, तीन बच्चे और नौ पुरुषों समेत कुल 24 लोगों की मौत हुई है। सभी मृतक खरगोन के बताए जा रहे हैं। 10 घायलों को इंदौर रेफर किया गया है। 22 घायलों का खरगोन जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। बस श्रीखण्डी से इंदौर जा रही थी। हादसा सुबह नौ बजे हुआ। मध्यप्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि बेहद दुखद घटना है। घटना की मजिस्ट्रियल जांच के

आदेश दे दिए गए हैं। घटनास्थल पर अधिकारी तत्काल पहुंच गए हैं। घायलों को इलाज के लिए तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया है। मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए हैं। खरगोन में कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा ने कहा कि हादसे में 15 लोगों की मौत मौके पर ही हो गई थी। एक यात्री की मौत अस्पताल में हुई है। राज्य सरकार ने आर्थिक सहायता की घोषणा कर दी है। बस ओवरलोड थी या नहीं, इसकी जांच की जा रही है। बस क्रमांक एमपी 10-पी-7755 मां शारदा ट्रैवल्स की बताई जा रही है, जो खरगोन जिले से इंदौर जा रही थी। यह हादसा खरगोन-ठीकरी मार्ग पर हुआ। बस नदी पर बने पुल से गुजर रही थी, जब वह एकाएक नीचे गिर गई। जोर से आवाज आई और अफरा-तफरी मच गई। बस में 40 से अधिक यात्री सवार थे। हादसा दसंगा गांव के करीब हुआ है। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। ग्रामीणों के साथ मिलकर पुलिस जवानों ने घायलों को बाहर निकलवाया और अस्पताल भिजवाया। घटना की सूचना मिलने के बाद विधायक रवि जोशी भी घटनास्थल के लिए रवाना हुए। ग्रामीणों ने उन्हें बताया कि रोजाना बसें ओवरलोड होकर तेज रफ्तार में गुजरती है। कई बार हमने बस वालों को टोका, लेकिन वह लोग दादागिरी करते हैं। कलेक्टर ने कहा कि बस में 45 से ज्यादा यात्री सवार थे। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। ग्रामीणों ने बताया कि बस तेज रफ्तार थी और ड्राइवर उस पर काबू नहीं रख सका और रैलिंग तोड़ते हुए बस सूखी नदी में जा गिरी। केंद्र सरकार और राज्य सरकार ने मृतकों के परिजनों के लिए आर्थिक सहायता घोषित की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से खरगोन हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये दिए जाएंगे। इसी तरह मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हादसे पर दुख जताते हुए हादसे में मृतकों के परिजनों और घायलों के लिए आर्थिक सहायता घोषित की है। राज्य सरकार ने खरगोन में हुई बस दुर्घटना में मृतकों के परिवारजनों को चार लाख रुपये की सहायता राशि, गंभीर घायलों को 50 हजार रुपये, कम एवं साधारण घायलों को 25 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। साथ ही दुर्घटना में घायलों के समुचित इलाज की व्यवस्था राज्य सरकार द्वारा की जाएगी।

मायावती ने की वोट करने की अपील, कहा- महंगाई, बेरोजगारी से मुक्ति पाने के लिए मतदान जरूरी

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने यूपी निकाय चुनाव के लिए 11 मई को होने वाले दूसरे चरण के मतदान में जनता से ज्यादा जोश व लगन के साथ वोट करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि वोट करना जनविरोधी सरकारों को सबक सिखाने का सही तरीका है। उन्होंने कहा कि महंगाई, गरीबी और बेरोजगारी से मुक्ति पाने के लिए मतदान में भागीदारी बहुत जरूरी है। उन्होंने जनता से बसपा को वोट करने की अपील की है। मायावती ने ट्वीट कर कहा कि बढ़ती महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी व विचलित करती अन्य जन समस्याओं से मुक्ति पाने के लिए चुनाव में लोगों की भरपूर भागीदारी बहुत जरूरी है। अतः 11 मई को दूसरे चरण के यूपी निकाय चुनाव में लोगों से ज्यादा जोश एवं लगन के साथ वोट करने की अपील है। एक अन्य ट्वीट में उन्होंने कहा कि जनविरोधी पार्टी व सरकारों को सही सबक सिखाने का जनता के पास वोट का सर्वोत्तम लोकतांत्रिक अधिकार है जिसका इस्तेमाल देश के लोग चुनाव में अक्सर करते हैं। यूपी निकाय चुनाव में भी वोट का सही इस्तेमाल करके बसपा को जिताएं तथा सरकार को अनुशासित व जिम्मेदार होने के लिए बाध्य करें। यूपी में निकाय चुनाव के दूसरे चरण के लिए 11 मई को मतदान होगा।

अब दंगा कर्फ्यू नहीं... मनते हैं उत्सव : योगी आदित्यनाथ

कानपुर में सीएम ने भरी जीत की हुंकार

कानपुर। उत्तर प्रदेश के निकाय चुनाव के दूसरे चरण के प्रचार का आज अंतिम दिन है। मंगलवार शाम छह बजे से प्रचार की गाड़ियों पर ब्रेक लग जाएगा। ऐसे में भाजपा पार्टी की जीत सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कानपुर दौरे पहुंचे थे। दक्षिण कानपुर क्षेत्र में किदवई नगर के कमर्शियल मैदान में आयोजित जनसभा को मुख्यमंत्री योगी ने संबोधित किया। यहां उन्होंने मंच से पांच निकाय क्षेत्रों को साधने का काम किया। सीएम ने लोगों से ट्रिपल इंजन की सरकार बनाने का आह्वान करते हुए विपक्ष पर जमकर हमला भी बोला।

उन्होंने कहा है कि पूर्ववर्ती सपा-बसपा सरकार ने प्रदेश को कई दशक पीछे धकेला था। भाजपा ने विकास की गति को तेज किया है। कानपुर में पहले कट्टे बनते थे। उपद्रव और दंगे होते थे। अब उत्सव मनते हैं, युवाओं के हाथों में पहले तमंचे होते थे...अब टैबलेट्स हैं। कानपुर में अब दंगा कर्फ्यू नहीं होता है। कनेक्टिविटी बढ़ने से प्रोडक्टिविटी बढ़ी है। कानपुर में इसी महीने एयरपोर्ट का हम उद्घाटन करने वाले हैं। रिंग रोड बनने वाली है। मेट्रो का काम भी चल रहा है। आज गुंडा टैक्स और वसूली नहीं हो रही है। लोगों को सुरक्षा के साथ विकास

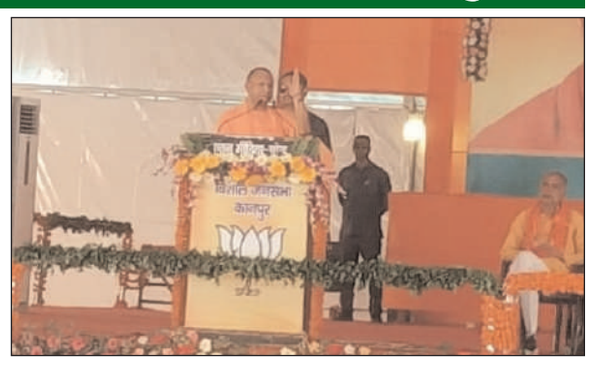

मिल रहा है। बता दें कि सीएम योगी के आगमन पर भाजपा पदाधिकारियों ने उनका जमकर स्वागत किया। उनके साथ मंच पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, सांसद सत्यदेव पचौरी और देवेंद्र सिंह भोले सहित भाजपा के अन्य नेता, सांसद और विधायक मौजूद रहे। जनसभा में सीएम योगी ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव का नाम लिए बिना यहां तक कह दिया कि उनका निकाय चुनाव को कूड़ा उठाने का चुनाव करार देने का बयान छह करोड़ लोगों का अपमान है। योगी बोले कि दरअसल यह कूड़ा नहीं, सपा-बसपा के कचरे, गंदगी, अराजकता को साफ करने का चुनाव है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के तय कार्यक्रम के अनुसार सीएम योगी सुबह 11.15 बजे चकेरी एयरपोर्ट पर उतरे। यहां से उनका हेलिकॉप्टर निराला नगर रेलवे मैदान पर बने हैलीपैड पर उतरा। इसके बाद वह कार के माध्यम से जनसभा स्थल पर पहुंचे। जनसभा के बाद वह कानपुर से बांदा जाने के लिए हेलिकॉप्टर से रवाना हुए हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ की जनसभा में मंच से लेकर उनके आस-पास महज 125 भाजपा के पदाधिकारी ही रहे। कानपुर के बाद सीएम बांदा रवाना हो गए और वहां भी अपने उम्मीदवार के पक्ष में जनता से वोट की अपील करेंगे। इससे पहले हुई चुनावी रैली में सीएम योगी ने मतदाताओं से कहा था कि आप लोगों ने प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का बयान सुना होगा। इसमें वह निकाय चुनाव को कूड़े का चुनाव कह रहे हैं।

'पश्चिम का गुलाम बना यूक्रेन', विक्ट्री डे पर बोले पुतिन- युद्ध का नतीजा ही रूस का भाग्य तय करेगा

मॉस्को। रूस की राजधानी मॉस्को में आज विक्ट्री डे परेड का आयोजन हो रहा है। इस मौके पर राष्ट्रपति पुतिन ने देशवासियों को संबोधित किया। इस दौरान पुतिन ने कहा कि सभ्यता बदलाव के कगार पर है। रूस के खिलाफ युद्ध छेड़ा गया है और हम अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे। पुतिन ने कहा कि हमारे लिए देश से बढ़कर कुछ नहीं है। पुतिन ने विक्ट्री डे परेड के दौरान अपने संबोधन में कहा कि यूक्रेन पश्चिमी देशों का गुलाम बन गया है लेकिन हम जानते हैं कि हमें क्या करना है। सर्वोच्चता की कोई भी विचारधारा हमें स्वीकार नहीं है। पुतिन ने यूक्रेन की तुलना नाजियों से की और कहा कि रूसी मातृभूमि के खिलाफ युद्ध छेड़ा गया है। पुतिन पहले भी यूक्रेन और नाजियों की तुलना कर चुके हैं। पुतिन ने कहा कि इस युद्ध का नतीजा ही हमारी मातृभूमि की किस्मत तय करेगा। बता दें कि

रूस में हर साल 9 मई को विक्ट्री डे परेड का आयोजन होता है। इस परेड के जरिए रूस दुनिया को अपनी ताकत का अहसास कराता है और परेड में आधुनिक हथियारों का प्रदर्शन किया जाता है। बता दें कि 9 मई 1945 के दिन ही सोवियत सेना ने नाजी जर्मनी को दूसरे विश्वयुद्ध में हरा दिया था। जर्मनी ने आत्मसमर्पण कर दिया था, जिसके बाद यूरोप में युद्ध का अंत हो गया था। इसी ऐतिहासिक जीत की याद में रूस विक्ट्री डे परेड निकालता है। विक्ट्री डे परेड में रूस ने इंटरकॉन्टिनेंटल बैलेस्टिक मिसाइल लॉन्चर का भी प्रदर्शन किया। पुतिन ने अपने भाषण में कहा कि जो सैनिक यूक्रेन युद्ध में भाग ले रहे हैं, उन्हें उन पर गर्व है। पुतिन ने यूक्रेन युद्ध को स्पेशल मिलिट्री ऑपरेशन करार दिया। पुतिन ने कहा कि रूस का भविष्य इन्हीं सैनिकों पर निर्भर है। पुतिन ने सभी लोगों से एकजुट होकर अपने इन नायकों का समर्थन करने की अपील की।

मौलाना तौकीर रजा ने दिया भड़काऊ बयान भाजपा-सपा को बताया हत्या का जिम्मेदार

बरेली। इत्तेहाद ए मिल्लत काउंसिल (आईएमसी) के प्रमुख मौलाना तौकीर रजा ने माफिया अतीक अहमद और अशरफ की हत्या को लेकर भड़काऊ बयान दिया है। उनका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। इसमें मौलाना कह रहे हैं कि अगर अतीक-अशरफ का बदला लेना है। आजम खां की जिल्लत और रुसवाई का बदला लेना है। अगर जालिम से हिसाब लेना है तो यह समझ लो कि आजम खां की जिल्लत में और अतीक और अशरफ के कत्ल में भारतीय जनता पार्टी जितनी जिम्मेदार है, उसे कम जिम्मेदार समाजवादी पार्टी नही हैं। यह बताने का तुम्हें मौका मिला है। बताया जा रहा है कि मौलाना तौकीर रजा ने रविवार रात बरेली के फरीदपुर में आयोजित जनसभा को संबोधित किया था। चेयरमैन पद के आईएमसी समर्थित निर्दलीय प्रत्याशी के समर्थन में यह जनसभा मोहल्ला भूरेखां गौटिया में हुई थी। वायरल वीडियो भी इस जनसभा का बताया जा रहा है। हालांकि इसकी अभी पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन वीडियो में तौकीर रजा सभा को संबोधित करते दिखाई दे रहे हैं। पास की एक दीवार पर प्रत्याशी का पोस्टर भी लगा हुआ है। मंच पर कई लोग बैठे दिखाई दे रहे हैं। उमेश पाल हत्याकांड के आरोपी माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की 15 अप्रैल की रात प्रयागराज में तीन हमलावरों ने

ताबड़तोड़ फायरिंग कर हत्या कर दी थी। पुलिस ने मौके पर ही हमलावरों को पकड़ लिया था। इस हत्याकांड के विरोध में मौलाना तौकीर रजा ने 19 अप्रैल को बरेली के इस्लामिया मैदान में धरना प्रदर्शन का एलान किया था। पुलिस ने मौलाना और उनके संगठन के चार पदाधिकारियों को घरों में नजरबंद कर दिया था, जिससे तौकीर रजा धरना नहीं दे सके थे।

बंगाल में फिल्म बैन होने का डायरेक्टर सुदीप्तो सेन ने बताया कारण, ममता बनर्जी को दी खास सलाह

नई दिल्ली। द केरल स्टोरी जबरदस्त कॉन्ट्रोवर्सी के बीच 5 मई को रिलीज कर दी गई। फिल्म को एक तरफ सपोर्ट किया जा रहा है तो वहीं, दूसरी तरफ विरोध भी हो रहा है। विवादों में उलझी द केरल स्टोरी रिलीज के बाद भी परेशानियां झेल रही है। फिल्म को कई राज्यों में बैन कर दिया गया है। इनमें से एक राज्य है पश्चिम बंगाल, जहां रिलीज के चौथे दिन यानी 8 मई को सरकार ने द केरल स्टोरी को बैन करने का फैसला लिया। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस फैसले पर अब डायरेक्टर सुदीप्तो सेन ने रिएक्ट किया है। न्यूज एजेंसी एएनआई संग बातचीत में उन्होंने सरकार से सवाल पूछते हुए कहा कि ममता बनर्जी बिना फिल्म को देखें कैसे इसे बैन करने का फैसला ले सकती हैं। सुदीप्तो सेन ने कहा, "ये बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि ममता बनर्जी ने फिल्म को देखें बिना ये फैसला कर लिया, बिना देखें वो कैसे निर्णय कर सकती हैं कि ये फिल्म राज्य के लिए

खतरा है। कोलकाता के लोगों ने पूरे दिल से फिल्म को प्यार दिया। रिलीज के बाद चार दिनों तक थिएटर्स भरे रहे।" उन्होंने आगे कहा, "आप जानते हैं कि मेरी फिल्म की घोषणा हुई तो इसे निश्चित तौर पर ब्लॉकबस्टर बताया गया। कोलकाता के लोगों ने पूरे दिल से मेरी फिल्म देखी। फिल्म के विरोध में एक भी घटना किसी भी थिएटर्स के बाहर नहीं हुई, बल्कि लोगों ने मुझे आशीर्वाद दिया, क्योंकि मैं एक बंगाली हूं और मैंने ऐसे संवेदनशील मुद्दे पर फिल्म बनाई। फिर ना जाने कल शाम ममता दीदी को क्या इनपुट मिला और उन्होंने अचानक फिल्म को बैन कर दिया।" पुरानी फिल्मों के बैन पर बात करते हुए सुदीप्तो सेन कहा, "ममता दीदी और महुआ मोइत्रा जी ऐसी महिलाएं है जो फ्री स्पीच की चैंपियन रही हैं। उन्होंने ह्यूमन राइट्स से लिए हमेशा आवाज उठाई है। जब बीबीसी की डॉक्युमेंट्री पर बैन की बात हुई तो ममता बनर्जी ने फिल्म को सपोर्ट किया। जब पद्मावत पर बैन लगाने की बात हुई तो ममता बनर्जी पहली राजनेता थीं, जो फिल्म के समर्थन में आईं।"

पूर्व पाक पीएम इमरान खान गिरफ्तार, कोर्ट से ही उठाकर ले गए सुरक्षाकर्मी, समर्थकों का हंगामा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की मुश्किलें बढ़ गई हैं। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के अध्यक्ष इमरान खान को गिरफ्तार कर लिया गया है। इमरान खान को इस्लामाबाद हाईकोर्ट के बाहर से

गिरफ्तार किया गया है। पाकिस्तानी के स्थानीय समाचार एजेंसी ने इसकी जानकारी दी है। बताया जा रहा है कि भ्रष्टाचार के आरोप में इमरान खान को गिरफ्तार किया गया है। पाकिस्तानी रेंजर्स ने इमरान को उस वक्त गिरफ्तार किया गया जब वह अदालत में पेशी के लिए जा रहे थे। इमरान के सहयोगी फवाद चौधरी ने उनकी गिरफ्तारी की पुष्टि किए बिना कहा, 'इमरान खान की कार को घेर लिया गया है।' इमरान खान की पार्टी के ट्विटर हैंडल पर एक वीडियो ट्वीट किया गया है। इसमें पाक रेंजर्स इमरान खान को धक्के मारते हुए दिख रहे हैं।

उधर, इमरान खान की गिरफ्तारी से पहले उनका एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में इमरान खान कह रहे हैं, 'मेरे खिलाफ कोई केस नहीं है। वो मुझे जेल में डालना चाहते हैं। मैं इसके लिए तैयार हूं।' इससे पहले इमरान खान ने आईएसआई अधिकारी पर अपनी हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया था। इमरान ने कहा था कि दो बार उनकी हत्या का प्रयास करने वाले आईएसआई के वरिष्ठ अधिकारी मेजर जनरल फैसल नसीर वरिष्ठ पत्रकार अरशद शरीफ की हत्या में भी शामिल थे।

उदयपुर में 'जादूगर' के साथ राहुल गांधी, पायलट ने कहा- सोनिया को नहीं वसुंधरा को अपना नेता मानते हैं गहलोत

जयपुर। राजस्थान में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं, लेकिन उससे पहले ही कांग्रेस में फूट पड़ती दिखाई दे रही है। राहुल गांधी के उदयपुर दौरे के बीच कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर राज्य के सीएम अशोक गहलोत पर बड़ा आरोप लगाया है। सचिन पायलट ने कहा कि सीएम अशोक गहलोत के भाषण को सुनने के बाद यह लगता है कि सोनिया गांधी उनकी नेता ही नहीं हैं, बल्कि उनकी नेता वसुंधरा राजे सिंधिया हैं।

दरअसल, कांग्रेस विधायक सचिन पायलट ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के दावों को लेकर उन पर हमला बोला। प्रेस कॉन्फ्रेंस में सचिन पायलट ने कहा कि मैंने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का धौलपुर का भाषण सुना, उसे सुनकर ऐसा लगता है कि उनकी नेता सोनिया गांधी नहीं, बल्कि वसुंधरा राजे हैं। एक तरफ यह कहा जा रहा है कि हमारी सरकार को गिराने का काम भाजपा कर रही थी, दूसरी तरफ कहा जाता है कि हमें बचाने का काम वसुंधरा राजे कर रही थी। आप कहना क्या चाहते हैं, आपको स्पष्ट करना चाहिए। सचिन पायलट ने आरोप लगाते हुए कहा कि कुछ लोग कांग्रेस पार्टी को कमजोर करना चाहते हैं, हम उन्हें सफल नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा- धौलपुर में अशोक गहलोत का भाषण सुनकर मुझे समझ में आया कि हम पिछले साढ़े चार साल में भ्रष्टाचार के मामलों पर कार्रवाई क्यों नहीं कर पाए। जनता से बड़ा

कोई नेता नहीं होता है। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने कहा- मैं 11 मई को अजमेर से एक जन संघर्ष यात्रा निकालूंगा और हम जयपुर की तरफ आएंगे। यह 125 किमी की यात्रा होगी। सही निर्णय तब लिए जाएंगे, जब जनता का पूरा साथ होगा। उन्होंने आगे कहा कि मैं अब समझ गया हूं कि सीएम अशोक गहलोत ने भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की। इस दौरान कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने कहा- मुझे बहुत कुछ कहा गया कोरोना, गद्दार आदि। मैं ढाई साल से यह सब सुन रहा था, लेकिन हम चुप थे क्योंकि हम अपनी पार्टी को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहते थे। अपने ही विधायकों और नेताओं को बदनाम करना और भाजपा का गुणगान करना मेरे समझ से परे है। बता दें कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी राजस्थान दौरे पर हैं। उनके साथ राज्य के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी मौजूद हैं। यहां राहुल गांधी माउंट आबू में कांग्रेस के सर्वोदय संगम कैंप में शिरकत करेंगे। हालांकि, इस बीच सचिन पायलट ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अपनी ही सरकार के खिलाफ फिर से मोर्चा खोल दिया है। बता दें कि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पूर्व सीएम और बीजेपी नेता वसुंधरा राजे को लेकर बड़ा दावा किया था। उन्होंने वसुंधरा राजे को कांग्रेस सरकार के लिए संकट मोचक' बताया था। अशोक गहलोत ने कहा था कि 2020 में कांग्रेस के कुछ विधायकों की बगावत के समय वसुंधरा राजे ने उनकी सरकार बचाई थी।

किसानों के लिए खुशखबरी, एक हफ्ते में बैंक खाते में आएगा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का पैसा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ उठा रहे किसानों से अच्छी खबर है। अब किसानों को इस योजना के तहत मिलने वाली राशि के भुगतान के लिए लंबा इंतजार नहीं करना होगा। सरकार की कोशिश है कि एक हफ्ते में राशि किसानों को मुहैया कराई

जाए। मौजूदा नियम के मुताबिक, किसानों की ओर से किए गए किसी भी दावे का तीन हफ्ते के भीतर भुगतान करना होता है। बता दें, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत सरकार किसानों की फसल का बीमा करती है, जिससे किसी प्राकृतिक आपदा के समय फसल का नुकसान होने पर किसानों को क्षतिपूर्ति उपलब्ध कराई जा सके। सरकार का जोर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में भुगतान की प्रक्रिया को आसान बनाने पर है। मौजूदा समय में किसानों के दावे और सरकार से नुकसान के आंकड़े प्राप्त करने के बाद ही प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का पैसा किसानों को दिया जाता है। इसके लिए होने वाले सर्वे में काफी समय लग जाता है और किसानों को करीब 1.5 से दो महीने बाद भुगतान प्राप्त होता है। इसके साथ कई जगहों पर धन की कमी, राज्य सरकारों के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, बीमा कंपनियों एवं किसानों के बीच समन्वय भी एक बड़ी समस्या है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना केंद्र सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है। इस योजना को 2016 में शुरू किया गया था। अब तक 37 करोड़ से अधिक किसानों को इस योजना का लाभ मिल चुका है। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले साल 8.31 करोड़ किसानों को इस योजना का लाभ मिला था।

संपादकीय

फीकी चमक

ऐसे में अगर भारत में सोने के आयात के मामले में भी गिरावट देखी जा रही है तो यह स्वाभाविक ही है। मगर चूंकि वैश्विक अर्थव्यवस्था में सोने की अहमियत जगजाहिर है, इसलिए निश्चित रूप से इस गिरावट को एक चिंता के तौर पर ही देखा जाएगा। हालांकि मौजूदा समय में दुनिया के ज्यादातर देशों में आर्थिक गतिविधियों में मुद्रा और लेनदेन के स्वरूप में जिस तेजी से बदलाव आ रहा है, उसके मद्देनजर सोने की ओर आकर्षण लाजिमी है। लेकिन सवाल है कि आखिर सोने की खरीद के लिए हर स्तर पर जरूरी कारक या आर्थिक मजबूती को सुनिश्चित किए बिना अर्थव्यवस्था को उड़ान कैसे मिलेगी। वाणिज्य मंत्रालय ने जो ताजा आंकड़ा जारी किया है, उसके मुताबिक, वैश्विक स्तर पर जारी आर्थिक अनिश्चितताओं के कारण भारत में सोने के आयात में 2022-23 में 24.15 फीसद की गिरावट आई और यह घट कर पैंतीस अरब डालर रह गया है। इसमें ऊंचे आयात शुल्क की भी खासी भूमिका मानी जा रही है। भारत में पिछले वित्त वर्ष यानी 2021-22 में पीली धातु यानी सोने का आयात 46.2 अरब डालर रहा था। यह माना जाता है कि सोने के आयात से देश के चालू खाते के घाटे को कम करने में मदद मिलती है। हालांकि इस बार सोने के आयात में भारी गिरावट के बावजूद देश के व्यापार घाटे को कम करने में मदद नहीं मिली है। आयात और निर्यात के अंतर को व्यापार घाटा कहा जाता है। वित्त वर्ष 2022-23 में व्यापार घाटा दो सौ सड़सठ अरब डालर रहने का अनुमान है। यह व्यापार घाटा इससे पिछले वित्त वर्ष में करीब एक सौ इक्यानबे अरब डालर रहा था। जाहिर है, सोने से जुड़े अर्थ-तंत्र में कई पहलू एक दूसरे से जुड़े हुए हैं और इसकी खरीदारी के मामले में जो तस्वीर बनती है, उसका असर दूसरे क्षेत्र पर पड़ता है। भारत को सोने के सबसे बड़े बाजार के तौर पर देखा जाता रहा है। सोने के आयात के जरिए देश के आभूषण उद्योग की मांग को भी पूरा किया जाता है। अगर मात्रा के लिहाज से देखें तो भारत सालाना करीब आठ सौ से नौ टन सोने का आयात करता है। पिछले कुछ दशकों के दौरान जैसे-जैसे समृद्धि में बढ़ोतरी हुई है, उसी मुताबिक सोने की मांग में भी इजाफा हुआ है। लेकिन पिछले दो-तीन साल में महामारी और पूर्णबंदी जैसे हालात की वजह से अर्थव्यवस्था को जो झटका लगा, उसमें लोगों की आय और क्रयशक्ति पर इसका सीधा असर पड़ा। फिर शादी जैसे समारोह टलने जैसी कुछ वजहों से सोने में निवेश पर नकारात्मक असर पड़ा है। इसके समांतर समृद्धि का सूचकांक आमतौर पर वैश्विक अर्थव्यवस्था के उतार-चढ़ाव पर भी निर्भर करता है। यों सोना कुछ भी उत्पादन नहीं कर सकता है और इस तरह इसे एक अनुत्पादक संपत्ति के तौर पर देखा जाता है। इसकी वृद्धि इस विश्वास पर टिकी होती है कि भविष्य में इसके लिए ज्यादा भुगतान हासिल किया जा सकेगा। इसी संदर्भ में अगर शेयरों या ऋण के माध्यमों में कोई निवेश किया जाता है तो यह देश की उत्पादकता और आर्थिक विकास में योगदान देगा। वैश्विक स्तर पर सोने को लेकर जैसा रुझान देखने में आ रहा है, उस लिहाज से देखें तो भारत में इसके आयात के मामले में खासी कमी निश्चित तौर पर थोड़ी चिंता की बात है।

मिलते रहते अक्सर!

दोस्त हम पुराने ।
मिलते रहते अक्सर ।।
बात न गठबंधन की ।
मिलन का सफर ।।
आगे आगे और भी ।
आएंगे बयान ।।
ऐसी खबरें बातें ।
हैं चढ़नी परवान ।।
किसका कौन विरोधी है ।
कौन किसका यार ।।
हलचल ही अब ऐसी ।
होनी लगातार ।।
आकर एक मंच पर ।
ताकत है बढ़ानी ।।
लेना है निशाने पर ।
कह अपनी कहानी ।।
हो रही है पहल ।
करने को उद्धार ।।
खाना पीना घूमना ।
आई है बहार ।।

–कृष्णेन्द्र राय

कठिन है कुदरत की थाह

इस दौर में हम वापस कुदरत की शरण में जाकर कभी प्राकृतिक चिकित्सा, तो कभी प्राकृतिक खेती या जैविक खेती की ओर बढ़ते हुए स्वास्थ्य को लेकर सजग हो रहे हैं तथा जड़ी-बूटी वनस्पतियों का उपयोग बढ़ा रहे हैं। तब क्या ऐसा नहीं लगता कि प्रकृति के मूल स्वरूप, जो उसका सौंदर्य भी है, को अपने स्वार्थ के लिए नष्ट-भ्रष्ट कर, विरूपित कर उसके साथ ज्यादती कर रहे हैं? अक्सर बेमौसम तेज गर्मी या बेलगाम बारिश को जलवायु परिवर्तन से जोड़ कर देखा जाता है, तो प्रचंड गर्मी के मौसम में जबरदस्त बारिश और कंपकपा देने वाली सर्दी भी इन्हीं वजहों से बताई जाती है। आगे चलकर शायद यह सोच भी बदले, क्योंकि मौसम में अभी जो परिवर्तन दिखा, वह काफी अलग था और इतना कि तमाम वैज्ञानिक कारणों और धारणाओं से मेल भी नहीं खाता।

इसी फरवरी में एक सौ चालीस वर्षों के बाद अप्रैल जैसी गर्मी और मई जैसी तपन का अहसास हुआ। वहीं ठीक उलट अप्रैल के दूसरे पखवाड़े में गर्मी के तेवर सख्त होते-होते ऐसे टूटे कि आखिरी हफ्ते से लेकर अब तक मौसम ने यों करवट बदला कि मानसूनी बारिश को भी धता बता दिया। वनस्पतियां तक मौसम से गच्चा खा गईं और दलदली जगहों पर सर्द दिनों की काली हल्दी मई में, वह भी छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जैसे गर्म इलाके में, फूल उठी। वहीं परंपरागत खेतीबाड़ी पर असर के चलते बेमौसम की यह बारिश चार से पांच दिन पहले बोई गई दलहनी फसलों के लिए भी बेहद हानिकारक है। आगे अप्रैल के आखिर और मई के शुरूआती दौर से जारी बारिश अगर कीर्तिमान भी बन जाए, तो हैरानी की बात नहीं। वैज्ञानिक मान रहे हैं कि यह दौर मई के दूसरे पखवाड़े तक जारी रहेगा। लेकिन मौसम को लेकर अब तक कभी कोई सटीक भविष्यवाणी या संभावनाएं शत-प्रतिशत परिणाम में बदली हों, ऐसा दिखा नहीं। हो सकता है कि कुछ ही दिनों बाद मई की गर्मी अपना रंग दिखाने लगे? बहरहाल, इतना जरूर है कि लाख वैज्ञानिक उपलब्धियां, शोध, यंत्र, वेधशालाएं, उपग्रह सब कुछ अपने-अपने काम पर लगे हैं, लेकिन तुनकमिजाज मौसम अक्सर इन्हें झुठला देता है।इस बार अप्रैल के आखिर और मई की शुरूआत से ही ऐसा दिखा। मौसम का यह मिजाज सारे किंतु-परंतु से अलग दिखता है, जिस पर भविष्यवाणियां भी प्रायः बेमानी सिद्ध होती हैं। चाहे दक्षिण भारत हो या पूर्वी, मध्य या फिर उत्तरी हो, लगभग हर कहीं मौसम का यह मस्तमौला-सा बदला रुख सामने आया। लगभग सभी जगह तापमान सामान्य से दस-बारह डिग्री की जबरदस्त गिरावट के साथ कार्तिक-सा सुकून देने वाला बना हुआ है। पहाड़ों में बर्फबारी तो मैदानी इलाकों में जबरदस्त आंधी, बारिश और ओला वृष्टि हुई, जिससे मौसमी फसलों को अप्रत्याशित नुकसान भी बहुत ज्यादा हुआ। वैज्ञानिक इस बदलाव को समुद्री हलचल से जोड़ कर देख रहे हैं। कुछ स्रोत तो मई में सावन-सी बारिश, बर्फबारी और ठंडक को बीते सारे रिकार्ड टूटना बताते हैं। हां, भरोसे की तस्वीरें सेटेलाइट से आती हैं वह भी इसलिए कि वे झूठ नहीं बोलतीं और बताती हैं कि लगभग पूरा देश मई के इस महीने में सामान्य से अधिक वर्षा से सराबोर है।

भारतीय मौसम को लेकर अनुमान है कि मई के मध्य तक पश्चिमी विक्षोभ नौ बार और हलचल मचाएंगे। फिलहाल, अब तक पांच बार इसी विक्षोभ के चलते तापमान में भारी गिरावट तथा बेमौसम बारिश हो रही है। मई के इस महीने में जब उत्तरी एशिया, यूरोप और कनाडा में तापमान की अप्रत्याशित वृद्धि ने वहां चिंता बढ़ा रखी है, तो हम उसके ठीक उलट लू के मौसम में ठंडक महसूस कर रहे हैं। इससे वैज्ञानिकों की चिंताएं बढ़ी हुई हैं। इसलिए भी कि अचानक तूफान और बाढ़ के हालात के बावजूद कुछ क्षेत्रों में जबरदस्त सूखे जैसी भौगोलिक घटनाएं पैदा हो रही हैं, जो दिनों दिन बढ़ती जा रही हैं। पश्चिमी विक्षोभ हैं क्या, यह भी जानना जरूरी है। वास्तव में यह भूमध्यसागरीय क्षेत्र में उत्पन्न होने वाला वह तूफान है, जो भारतीय उपमहाद्वीप के उत्तर-पश्चिमी भागों में अचानक बारिश लाता है। यह बरसाती मानसून से अलग होता है। जब अशांत हवाएं कम दबाव वाले क्षेत्र में होती हैं, यानी भूमध्यसागर, यूरोप के अन्य भागों और अटलांटिक महासागर में, तो यहां की नमी से बादल बनते हैं, जो भारत में पश्चिम दिशा से आते हैं।

इसलिए पश्चिमी विक्षोभ कहलाते हैं। अमूमन ये अफगानिस्तान, पाकिस्तान होकर भारत की ओर अधिक ऊंचाइयों पर तेज हवाओं के साथ आते हुए अपनी राह में भूमध्य सागर, काला सागर, कैस्पियन सागर और अरब सागर की नमी सोख लेते हैं। यही नमी भारत आते-आते बारिश और बर्फ में बदल जाती है। इस पर मौसम विज्ञान का एक अध्ययन भी है, जिसे न्यूमेरिकल स्टडी आफ वेस्टर्न डिस्टर्बेंस ओवर वेस्टर्न हिमालयाज यूजिंग मेसोस्केल माडल कहते हैं। वह भी यही बताता है कि जब पश्चिमी विक्षोभ हिमालय की ओर आता है, तो इसकी नमी बारिश और बर्फ में तब्दील हो जाती है। हवा के रुख के साथ-साथ ये बादल कभी उत्तरी पहाड़ी राज्यों जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, तो कभी उत्तर पूर्वी राज्यों की ओर बढ़ते हैं और कभी पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश और बिहार होते हुए दक्षिण की ओर बढ़ते हैं। इस प्रकार इसका असर पूरे देश में दिखता है। अभी वही हो रहा है। इस बदलाव का असर हिमालय के ग्लेशियर पर होने से बर्फ भी तेजी से पिघल रही है, जो चिंताजनक है। हाल ही में उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में पहाड़ों पर बसी आबादी वाले क्षेत्रों में दरकन से हुई क्षति सामने है। केदारनाथ त्रासदी, चमोली की बाढ़, जिसे महाविनाश तक कहा गया, सबने देखा। ऐसी और भी अनेक घटनाएं सामने हैं। इधर एक अध्ययन बताता है कि हिमालयी ग्लेशियरों के पिघलने की रफ्तार शताब्दी की शुरूआत के मुकाबले दोगुनी हुई है। इसके उपलब्ध आंकड़े देखें तो 1975 से वर्ष 2000 तक ग्लेशियरों के पिघलने की मात्रा वास्तव में दोगुनी हुई। वैज्ञानिक इसकी वजह वही पुरानी यानी ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन, प्रदूषण और प्रकृति विरोधी मानवीय गतिविधियां बताते और दावा करते हैं कि अगर इन पर अंकुश नहीं लगा तो दुनिया के शेष ग्लेशियरों का एक तिहाई से अधिक हिस्सा वर्ष 2100 से पहले पिघल जाएगा।

वहीं कई अलग धारणाएं भी हैं, जो इस बात से सरोकार न रखते हुए कहती हैं कि प्रकृति से बड़ा कोई नहीं। आज हम जो तमाम ईंधन जैसे कोयला, गैस, तेल, लकड़ी आदि का इस्तेमाल कर रहे हैं वह सब भी तो प्रकृति प्रदत्त हैं और करोड़ों वर्ष पहले भूगर्भीय हलचल से जमींदोज हुए जंगल, तत्कालीन प्राणियों के अवशेष ही तो हैं। सच भी है, और लगता भी है कि प्रकृति को चुनौती देना आसान नहीं। जब भी असंतुलन बढ़ेगा, तो बहुत बड़ी भूगर्भीय हलचलों से इनकार भी नहीं किया जा सकता और न कोई इसे रोक पाएगा। सच तो यह है कि प्रकृति को चुनौती देना न तो आसान है और न ही इससे टकराव लेकर सुकून ही मिल पाएगा। इस दौर में जब हम वापस कुदरत की शरण में जाकर कभी प्राकृतिक चिकित्सा, तो कभी प्राकृतिक खेती या जैविक खेती की ओर बढ़ते हुए स्वास्थ्य को लेकर सजग हो रहे हैं तथा जड़ी-बूटी वनस्पतियों का उपयोग बढ़ा रहे हैं। तब क्या ऐसा नहीं लगता कि प्रकृति के मूल स्वरूप, जो उसका सौंदर्य भी है, को अपने स्वार्थ के लिए नष्ट-भ्रष्ट कर, विरूपित कर उसके साथ ज्यादती कर रहे हैं? प्रकृति उसी स्वरूप को वापस पाने के लिए जब-तब अपना रौद्र रूप किसी न किसी तरह दिखाती है।

राजनीति के खेल में पीछे छूटते खेल का जिम्मेदार कौन- नमिता झा

प्रखर वाराणसी। हमारे देश में खेल एक प्रतिष्ठा और भावना का रूप ले चुकी है। खिलाड़ी कोई भी हो, देश का मान-सम्मान होते हैं। कोई भी देश हो वह हमेशा अपने खिलाड़ियों पर गर्व करता है, क्योंकि खिलाड़ी तमाम मुश्किलें झेलते हुए अपनी अथक मेहनत और बहुत कुछ सहकर देश के लिए पदक जीतते हैं। वास्तव में खिलाड़ियों की जीत ही देश की जीत होती है लेकिन आज खिलाड़ी उनके साथ हो रहे दुर्व्यवहार, यौन उत्पीड़न को लेकर सड़क पर उतर आए हैं, यह बहुत ही गंभीर व संवेदनशील है कि आज खिलाड़ियों की आवाज को अनदेखा किया जा रहा है। वास्तव में, यौन उत्पीड़न के आरोप बड़े गंभीर आरोप होते हैं और इन आरोपों पर प्रारंभिक जांच की जरूरत है। हाल ही में दिल्ली पुलिस ने उच्चतम न्यायालय में कहा था कि भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष के खिलाफ सात महिला पहलवानों द्वारा लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों पर प्राथमिकी दर्ज करने से पहले प्रारंभिक जांच की जरूरत है। वास्तव यहाँ यह कहना बिल्कुल भी गलत नहीं होगा कि सच्चाई को सामने लाने की जरूरत है। यह वास्तव में बहुत ही गंभीर व संवेदनशील है कि राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय कुश्ती स्पधाओं/ प्रतियोगिताओं में विभिन्न पदक जीतने वाली खेल प्रतिभाओं/महिला खिलाड़ियों को आज अपनी मांगों को लेकर जंतर-मंतर पर धरने पर बैठना पड़ा है।भारतीय कुश्ती महासंघ का भारत में ही नहीं अपितु संपूर्ण विश्व में नाम है और यह हमारे देश के खेल मंत्रालय और भारतीय कुश्ती महासंघ(डब्ल्यू, एफ.आई.) के लिये अच्छी बात नहीं कही जा सकती है कि एक जिम्मेदार पदाधिकारी के खिलाफ यौन दुर्व्यवहार के आरोप लगे हैं। वास्तव में इन आरोपों के पीछे आखिर सच्चाई क्या है, वह तो हर हाल में सामने आनी ही चाहिए ताकि दूध का दूध व पानी का पानी किया जा सके। महिला खिलाड़ियों के साथ यौन शोषण का मामला अब तूल पकड़ता चला जा रहा है और अब तो जंतर- मंतर पर महिला पहलवानों के धरने पर विभिन्न विपक्षी राजनीतिज्ञ, सरकार पर हमलावर नेता, व अन्य संगठनों के पदाधिकारी तक जुटने लगे हैं। मीडिया में भी इस मामले को लेकर रह-रहकर खूब खबरें आ रही हैं। यहाँ यह भी बताना चाहूंगी कि कोर्ट में नाबालिग सहित लड़कियों की ओर से अनुच्छेद 32 के तहत एक रिट याचिका दायर की गई। खिलाड़ियों ने मामले को लेकर माननीय सुप्रीम कोर्ट का रुख किया और सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर मुकदमा भी दर्ज कर लिया गया है। जब महिला खिलाड़ी इतने गंभीर आरोप लगा रही हैं तो इसके पीछे कुछ न कुछ तो बात जरूर है।बताना चाहूंगी कि यह पहली बार नहीं है जब महिला पहलवान इस प्रकार से आगे आईं हैं। इससे पहले भी इस मामले में उनके द्वारा आंदोलन किया गया था। उस समय यानी कि माह जनवरी-2023 में खेल मंत्रालय द्वारा जांच के लिये मशहूर बॉक्सर मैरी कॉम की अगुआई में एक समिति का गठन किया गया था। गठित समिति द्वारा हालांकि रिपोर्ट सौंप दी गई है लेकिन इसके कोई अंतिम निहितार्थ/ निष्कर्ष की घोषणा न होने से महिला पहलवान क्षुब्ध होकर जंतर-मंतर पर धरने पर बैठ गयी हैं। यहां तक कि महिला पहलवानों ने देश के विभिन्न राजनीतिक दलों, किसान, खाप व महिला संगठनों से भी इस संदर्भ में समर्थन मांगा है। वर्तमान में पहलवान एक बार फिर अपनी पुरानी मांगों को लेकर सड़क पर आकर प्रदर्शन कर रहे हैं, जो वर्तमान में भी जारी है। पहलवानों का यह कहना है कि उन्हें एक महीने में कार्रवाई का भरोसा दिया गया था लेकिन अब तीन महीने बाद भी जांच रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की गई है और सरकार ने पहलवानों को जो आश्वासन दिया था वह झूठा निकला। हालांकि इसी बीच, महासंघ के प्रमुख इसे व्यक्तिगत रंजिश का मामला कहते हुए खुद को निर्दोष बता रहे हैं। यहाँ यह बात सोचनीय है कि आंदोलनकारी पहलवानों ने महासंघ के कामकाज में भी कुप्रबंधन के आरोप लगाये हैं और व्यवस्था में पूरी तरह बदलाव की मांग की है। प्रसिद्ध खिलाड़ी बजरंग पूनिया ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह आरोप तक लगाया है कि जिन सात महिला पहलवानों ने यौन शोषण की शिकायत की है, उन पर शिकायत वापस लेने का दबाव बनाया जा रहा है। यहाँ तक कि पैसों का लालच भी दिया जा रहा है।यह हमारे देश की विडंबना ही है कि आज खेलों तक में राजनीति का प्रवेश हो गया है। वास्तव में खेल राजनीति से हमेशा परे होने चाहिए। दूसरे शब्दों में कहें तो, खेलों में राजनीति का कोई भी स्थान नहीं होना चाहिए। खेलों में जब राजनीति का स्थान हो जाता है तो इससे खिलाड़ी, खेल तो प्रभावित होते ही हैं, विश्व पटल पर भी हम खेलों के क्षेत्र में पिछड़ते चले जाते हैं। आज भारत दुनिया का बहुत बड़ा देश है लेकिन विश्व पटल पर चीन,जापान,रूस अमेरिका जैसे देशों की तुलना में हमारे यहाँ विश्वस्तरीय खिलाड़ी तैयार नहीं हो पा रहे हैं तो उसका एकमात्र कारण है कि हमारे देश में खेलों में भी राजनीति का स्थान सर्वोपरि है। राजनीति के कारण, पक्षपात के कारण आज जो खिलाड़ी खेल के क्षेत्र में आगे आने चाहिए, वे वास्तव में आगे नहीं आ पाते हैं। आज खेलों में राजनीति का बड़ा खेल हो रहा है। वास्तव में कहना गलत नहीं होगा कि आज के समय में भारत में खेल और राजनीति का रिश्ता चोली दामन का है। यहां तक कि बहुत बार यह समझना तक मुश्किल हो जाता है कि खेलों में राजनीति है या फिर राजनीति में खेल।बहुत ही दुखद है कि आज खेल व राजनीति का घालमेल चल रहा है। अधिकतर मामलों में खेल संघों से जुड़े राजनेताओं का संबंधित खेल से दूर-दूर तक कोई भी वास्ता तक नहीं होता है लेकिन ये खेल संघों के जरिए अपने रसूख, अपने कद को और बढ़ाने में कामयाब जरूर हो जाते हैं। राजनीति के खेल में आज खेल पीछे छूटते चले जा रहे हैं, इस पर चिंतन बहुत आवश्यक व जरूरी है। हमेशा से महिलाओं की सुरक्षा को लेकर जब हमारा राष्ट्र कृतसंकल्पित रहा है तो क्या महिला खिलाड़ियों द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच त्वरित रूप से नहीं की जानी चाहिए ? निश्चित रूप से, ऐसे प्रकरणों से खेल-संगठनों समेत पूरे खेल तंत्र के प्रति देश में अविश्वास ही पैदा होगा। इस बात की भी प्रबल संभावना है कि लोग अपनी बेटियों को खेलों के लिये भेजने तक में संकोच करने लगे। देश को मामले पर आत्ममंथन करने की जरूरत है।

(यह निजी विचार है)

अपनी पार्टी बचाने के बाद अब मोदी विरोधी मोर्चे में बड़ी भूमिका चाहते हैं शरद पवार

जैसा कि सबको अंदाजा था, इस्तीफे का दांव खेलने के बाद शरद पवार इस पूरी लड़ाई में एक विजेता की तरह उभर कर सामने आए हैं। वैसे भी पवार के राजनीतिक सफर पर करीब से नजर रखने वाले लोगों को यह मानना रहा है कि पवार शतरंज के गेम की तरह एक साथ कई लक्ष्यों को सामने रखकर अपने प्यादों को आगे बढ़ाने के लिए मशहूर रहे हैं। इसलिए यह माना जा रहा है कि इस्तीफे का दांव खेलकर जहां उन्होंने एक तरफ अपने भतीजे अजित पवार को यह समझा दिया कि एनसीपी के असली बॉस वही हैं, वहीं दूसरी तरफ पार्टी के अंदर बगावत करने की मंशा रखने वाले विधायकों को भी यह बता दिया कि शरद पवार के आशीर्वाद के बिना अगली बार उनका चुनाव जीतना बहुत ही मुश्किल होगा, तो वहीं तीसरी तरफ पार्टी के अंदर और बाहर सबको यह अहसास करा दिया कि उनकी बेटी सुप्रिया सुले का कद क्या है और सबसे बड़ी और महत्वपूर्ण बात तो यह है कि पवार ने महाराष्ट्र के साथ-साथ पूरे देश को यह अच्छी तरह से समझा दिया है कि उम्र के इस पड़ाव में वो आखिरी बार राष्ट्रीय राजनीति में एक बड़ा दांव खेलने को तैयार हैं। विपक्षी एकता की कोशिश के लक्ष्य को लेकर पूरे देश में राजनीतिक भ्रमण कर रहे नीतीश कुमार, के. चन्द्रशेखर राव और ममता बनर्जी से लेकर किसी भी कीमत पर मोदी को 2024 में सत्ता से बाहर करने का सपना देखने वाली कांग्रेस तक को शरद पवार ने स्पष्ट तौर पर यह राजनीतिक संदेश दे दिया है कि वह राष्ट्रीय राजनीति में बड़ी भूमिका निभाने को तैयार हैं। एक संदेश उन्होंने भाजपा को भी देने का प्रयास किया है कि अगर उनकी पार्टी को महाराष्ट्र में तोड़ने की कोशिश की गई तो इसका अंजाम भाजपा को राष्ट्रीय स्तर पर भुगतना पड़ सकता है।

यह बात बिल्कुल सही है कि कांग्रेस के लिए शरद पवार बहुत जरूरी बनते जा रहे हैं। हाल के दिनों में पवार ने सावरकर के मसले पर न केवल शिवसेना और राहुल गांधी के मतभेदों को सुलझाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है बल्कि राहुल गांधी को यह समझाने का भी प्रयास किया है कि राष्ट्रीय राजनीति में उन्हें किन मुद्दों को उठाना चाहिए और किन मुद्दों को छोड़ते हुए आगे बढ़ना चाहिए। लेकिन इतनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने के बाद इस बात की राजनीतिक चर्चा कतई नहीं हो रही थी कि क्या शरद पवार को

कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूपीए गठबंधन का संयोजक बनाया जा सकता है। अभी तक इस पद के लिए सबसे ज्यादा चर्चा बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की ही होती रही है और निश्चित तौर पर पवार अपने आपको नजरअंदाज करने से प्रसन्न तो नहीं ही होंगे।

महाराष्ट्र की राजनीति में कई बार बगावत के जरिए अपना राजनीतिक कद बढ़ाने वाले शरद पवार को इस बात का बखूबी अहसास है कि इस बार जो भी नेता यूपीए का संयोजक होगा, उसकी दावेदारी देश के सर्वोच्च पद यानी प्रधानमंत्री पद के लिए सबसे ज्यादा होगी। क्योंकि इस बार जो यूपीए गठबंधन बनेगा अथवा मोदी विरोधी जो मोर्चा तैयार होगा, उसमें शायद पहली बार कांग्रेस नहीं बल्कि अन्य क्षेत्रीय दल महत्वपूर्ण भूमिका में होंगे। ज्यादातर क्षेत्रीय दलों के नेता या तो अपने-अपने राज्यों में मुख्यमंत्री हैं या फिर मुख्यमंत्री बनने की इच्छा रखते हैं क्योंकि पार्टी में अभी तक उनका कोई उत्तराधिकारी तैयार नहीं हुआ है। इस रेस में फिलहाल सबसे आगे नजर आने वाले नीतीश कुमार पर सभी विरोधी दल आंख मूंद कर भरोसा करने की स्थिति में नहीं हैं। ऐसे में अगर कांग्रेस खासकर गांधी परिवार जिसके साथ खड़ा नजर आएगा, उसका दावा सबसे मजबूत होगा। पवार को सोनिया गांधी के साथ-साथ उद्धव ठाकरे से भी बहुत उम्मीदें हैं। उन्हें इस बात का पूरा भरोसा है कि अगर भविष्य में किसी मराठी नेता के प्रधानमंत्री बनने की संभावना बनती है तो शिवसेना पूरी तरह से उनके साथ खड़ी नजर आएगी और महाराष्ट्र से कांग्रेस के सांसद भी उनका समर्थन करेंगे इसलिए वो राजनीति के इतने महत्वपूर्ण पड़ाव पर अपने भतीजे अजित पवार को पार्टी तोड़ने की अनुमति तो कतई नहीं दे सकते हैं। एनसीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद से दिया गया अपना इस्तीफा वापस लेने के बाद शरद पवार जिस अंदाज में घोषणाएं कर रहे हैं, उससे भी यह अंदाज हो जाता है कि वह राष्ट्रीय राजनीति में एक बड़ी भूमिका निभाने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि वह भाजपा के खिलाफ विपक्षी दलों को एक साथ लाने में भूमिका निभाएंगे। अगले वर्ष, 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले विपक्ष का एक न्यूनतम साझा कार्यक्रम भी तैयार करने की कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा कि अगले 10-11 महीनों में कई जगहों पर चुनाव होंगे। नीतीश कुमार, अरविंद केजरीवाल, के. चंद्रशेखर राव और ममता बनर्जी जैसे नेता विपक्ष को एकजुट करने की कोशिश कर रहे हैं। मैं न्यूनतम साझा कार्यक्रम बनाकर विपक्ष को साथ लाने में हिस्सा लूंगा। इशारों-इशारों में भविष्य की अपनी महत्वपूर्ण राजनीतिक भूमिका का संकेत देते हुए पवार ने यह भी कहा कि महाराष्ट्र और देश भर के विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने उनसे एनसीपी का पार्टी अध्यक्ष बने रहने का अनुरोध किया था। शरद पवार इस देश के सबसे बड़े पद यानी प्रधानमंत्री पद पर बैठना चाहते हैं, इस बात से उन्होंने कभी इंकार भी नहीं किया। 1991 में जब कांग्रेस ने नरसिम्हा राव को अपना प्रधानमंत्री चुना था, उस समय भी पवार इस पद के लिए दावेदारों में से एक थे। राव के प्रधानमंत्री बनने के बाद पवार केंद्र सरकार में मंत्री बने लेकिन उन्होंने अपनी कोशिशें जारी रखीं। यह कहा जाता है कि उनके राजनीतिक दांवों से परेशान होकर ही उस समय राव ने उन्हें मुख्यमंत्री बनाकर महाराष्ट्र वापस भेज दिया था। वर्ष 1999 में कांग्रेस के अंदर रहकर पवार ने उस समय सोनिया गांधी के विदेशी मूल का मुद्दा भी इसलिए यह उठाया था क्योंकि उन्हें उस समय यह लगता था कि इस मुद्दे पर कांग्रेस के ज्यादातर नेता उनके साथ खड़े होंगे लेकिन आगे चलकर उन्हें जैसे ही लगा कि वह अलग-थलग पड़ गए हैं तो तुरंत ही एनसीपी नेता के तौर पर उन्होंने महाराष्ट्र में कांग्रेस के साथ गठबंधन कर लिया।

अखिल भारतीय किसान महासभा ने किया करंडा में किसान पंचायत

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। अखिल भारतीय किसान महासभा के तत्वाधान में आज मंगलवार को करंडा में किसान नेता के आवास पर क्षेत्रीय किसान पंचायत हुई। किसान पंचायत को सम्बोधित करते हुए अखिल भारतीय किसान महासभा के राष्ट्रीय सचिव कामरेड ईश्वरी प्रसाद कुशवाहा ने कहा कि आज की तारीख में किसान जहां खड़ा है उसके बारे में किस तरह से सोचा जाए कैसे उसके बीच में चला जाए और उनके सवालों पर गाजीपुर में भी आवाज उठे क्योंकि इस दौर में विगत चार-पांच सालों में देश के अंदर भी किसानों के बीच में हलचल तेज हुई है। और वह तीन किसान विरोधी काले कानून को वापस लेने की मांग को लेकर एक ऐतिहासिक किसान आंदोलन दिल्ली के बाडरों पर करना पड़ा। भाजपा सरकार तीन किसान विरोधी काले कानूनों के माध्यम से किसानों की जमीन को ही कारपोरेट कंपनियों को अदानी - अंबानी को सौंप देने की दिशा लिया था। मोदी सरकार के लिए जरूरी हो गया था कि जो अनाज है, जो खेती है, जिस पर बड़ी आबादी देश की निर्भर है, जीविका चलती है, उसको ही अदानी - अम्बानी को सौंप दिया जाए। तब उसमें मुनाफे की कोई सीमा ही नहीं होगी। जितना चाहे उतना सब कुछ मुनाफा अनाज को गोदाम में बंद करके रोटी को गुलाम कर देना चाहते थे। मंदसौर में किसान संगठन थे वहां पर किसान आत्महत्या के खिलाफ और फसलों की वाजिब कीमत की मांग कर रहे थे, तो सरकार ने किसानों पर मंडी में गोली चला दी जिसमें 6 किसान मारे गए थे। किसानों को कर्ज से मुक्ति और उनकी फसल का वाजिब दाम इन 2 सवालों को ही केंद्र कर-के 2017 के बाद पूरे देश में किसान मुक्त यात्रा निकालनी शुरू हुई, उसी मंदसौर से जहां गोली चली थी जहां लोग मरे थे। 2017 के पहले हम लोग देखें उत्तर प्रदेश में महेंद्र सिंह टिकैत किसी जमाने में गन्ना आंदोलन के बड़े नेता थे। लागत कम करने की बात करते थे गन्ने के उचित मूल्य की बात करते थे और सरकारों से प्रदेश के भीतर और दिल्ली में बरबार भी लगातार आंदोलन करते थे। आज मोदी सरकार किसानों की जमीन पर ही हाथ डाल दिया। काला कानून लेकर आए हम लोग तो बहुत उसकी गहराई में आज भी नहीं पहुंच पाए की तीन काले कानून क्या थे। कैसे हमारी खेती चली जाती है। किसान पंचायत में प्रस्ताव पास किया गया कि 08 जून 2023 को दिलदारनगर में आयोजित विशाल किसान मजदूर पंचायत में यहां से सैकड़ों किसान भाग लेंगे। किसान पंचायत में प्रमुख रूप से ईश्वरी प्रसाद कुशवाहा, शशिकांत कुशवाहा, राजेश बनवासी, सतेन्द्र प्रजापति, मंजू गोंड, कमलाकर राम, महेंद्र यादव, राजमूनि यादव, सदानंद पटेल, नारद बिन्द, रामशीष बिन्द, अशोक कुशवाहा, आदि लोगों ने भाग लिया और सम्बोधित किया।

देशी पिस्टल व जिन्दा कारतूस के साथ 3 अपराधी गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर के पर्वेक्षण व क्षेत्राधिकारी भुड़कुड़ा कुशल निर्देशन में उप निरीक्षक गोविन्द मौर्य मय हमराह सोमवार को मु0अ0सं0 44/2023 धारा 307 भादवि से संबंधित 03 अभियुक्तों क्रमशः अनुपम सिह पुत्र अवधेश सिह निवासी ग्राम शेखपुर थाना भुड़कुड़ा, अबनय प्रताप सिह उर्फ अभय सिंह पुत्र विनोद सिंह निवासी मुरारपुर थाना तरवाँ जनपद आजमगढ़ हाल पता जौहरपुर थाना भुड़कुड़ा, यशवन्त सिंह पुत्र स्व0 झिल्लू सिंह निवासी ग्राम जौहरपुर (नसुल्हा) थाना भुड़कुड़ा गाजीपुर को मुखबिर की सूचना पर नहर के किनारे ग्राम जौहरपुर जाने वाले मुख्य प्रवेश द्वार के पास गिरफ्तार किया गया तथा अभियुक्त अनुपम सिंह की निशानदेही पर घटना मे प्रयुक्त एक अदद देशी पिस्टल 7.65 बोर मय एक अदद जिन्दा कारतूस 7.65 बोर बरामद किया गया । बरामदगी के आधार पर धारा 34 भादवि व 3/25 आर्मस एक्ट की बढोत्तरी की गयी । गिरफ्तार करने वाली टीम में उप निरीक्षक गोविन्द मौर्य, हेड कांस्टेबल रामदुलारे सोनकर, कांस्टेबल राहुल मिश्रा, कांस्टेबल हरिश्चन्द्र यादव शामिल रहे।

डॉ. संतोष अध्यक्ष व सचिव बने डॉ. सिद्धार्थ

प्रांतीय चिकित्सा सेवा संघ (शाखा बलिया) का शपथ ग्रहण कार्यक्रम हुआ संपन्न

बलिया। प्रांतीय चिकित्सा सेवा संघ के चिकित्सकों का वार्षिक अधिवेशन एवं नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह कल शहर स्थित एक होटल में संपन्न हुआ। उक्त समारोह में प्रांतीय चिकित्सा सेवा संघ उत्तर प्रदेश के प्रांतीय अध्यक्ष डॉक्टर सचिन वैश्य एवं महासचिव डॉ अमित सिंह का लखनऊ से आगमन हुआ। मुख्य अतिथि डॉ वैश्य ने पूरे प्रदेश में चिकित्सकों से संबंधित तमाम समस्याओं एवं उनकी लंबित मांगों पर विस्तृत चर्चा की एवं संघ द्वारा समय-समय पर किए गए प्रयासों पर प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि महासचिव डॉ अमित सिंह ने संघ की मजबूती के लिए हर सदस्य को अपना योगदान देने की बात कही। उक्त कार्यक्रम में नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ संतोष चौधरी (हड्डी रोग विशेषज्ञ, जिला अस्पताल बलिया) एवं सचिव डॉ सिद्धार्थ मणि दुबे (नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ,पीपीसी जिला महिला अस्पताल) एवं कार्यकारिणी के अन्य सदस्यों को शपथ ग्रहण कराया गया। डॉ संतोष एवं डॉ सिद्धार्थ ने अपने उद्बोधन में संघ की मजबूती के लिए सभी सदस्यों का सहयोग मांगा एवं समस्त चिकित्सक बंधुओं को आश्वस्त किया कि संघ समस्त चिकित्सकों के सुख दुख में हमेशा उनके साथ खड़ा मिलेगा। डॉक्टर दुबे ने यह भी कहा कि किसी भी संगठन की शक्ति उसके सदस्यों की संख्या होती है इसलिए वह चिकित्सक जो अब तक संघ के सदस्य ना बने हो जल्द से जल्द सदस्यता हासिल कर ले।उक्त कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ जयंत कुमार, जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ दिवाकर सिंह, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ वीरेंद्र कुमार एवं जनपद के समस्त चिकित्सक उपस्थित रहे।

मुख्तार के करीबी अंगद राय की 07 करोड़ की अचल संपत्ति जब्त

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत दिनांक 02 मई 23 को प्रभारी निरीक्षक विवेचक थाना भांवरकोल जनपद गाजीपुर द्वारा प्रेषित आख्या पर पुलिस अधीक्षक गाजीपुर द्वारा की गई संस्तुति के आधार पर जिलाधिकारी महोदया गाजीपुर द्वारा पारित कुर्की आदेश के अंतर्गत धारा 14(1) उत्तर प्रदेश गिरोह बंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम 1986 के तहत अभियुक्त अंगद राय उर्फ झुल्लन राय पुत्र सर्वदेव राय निवासी ग्राम शेरपुर कला थाना भांवरकोल जनपद गाजीपुर की 07 करोड़ 17 लाख 04 हजार 460 रुपये की अचल बेनामी संपत्ति के जब्तीकरण की कार्यवाही की गयी। उल्लेखनीय है कि अभियुक्त द्वारा एक गिरोह बनाकर लोक व्यवस्था को अस्त-व्यस्त करने अपने तथा अपने गैंग के

सदस्यों के लिए आर्थिक, भौतिक व अन्य लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से आपराधिक कार्य तथा समाज विरोधी क्रियाकलापों में अर्जित बेनामी अचल संपत्ति का विविरण क्रमशः दिनांक 03.08.2010 को अपनी पत्नी सरिता राय के नाम से मौजा जगजीवनपुर तहसील मुहम्मदाबाद जनपद गाजीपुर के आराजी संख्या-32 में 1650 वर्ग मीटर क्रय किया गया है तथा इस पर अर्धनिर्मित भवन का निर्माण कराया गया, अभियुक्त अंगद राय उर्फ झुल्लन राय उपरोक्त द्वारा वर्ष 2010 में अपने पैतृक गाँव शेरपुर कला में अपने पैतृक आबादी के भूमि पर भवन का निर्माण कराया गया। अभियुक्त अंगद राय पर सीआरपीसी सहित अन्य स्थानों पर गुंडा अधिनयम, एससीएसटी, 307, सीएलए एक्ट, गैंगस्टर अधिनियम सहित बीसो मुकदमे दर्ज है।

गृह कलह से तंग आकर युवक ने की आत्महत्या, पंखे की कड़ी से लटकता मिला शव

बलिया। बलिया में दोकटी थाना क्षेत्र के हृदयपुर गांव के एक युवक ने गृह कलह के कारण रविवार के शाम फांसी लगाकर अपनी इहलीला समाप्त कर ली। सूचना पर पहुची लालगंज पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अन्त्य परीक्षण के लिए भेज दिया। दोकटी थाना क्षेत्र के हृदयपुर गांव निवासी पवन माली (25) पुत्र स्व. शम्भूनाथ माली बाहर रहकर प्राइवेट नौकरी करता था। करीब 20-25 दिन से अपने गांव आया था। उसने रविवार को अपने कमरे में पंखे की कड़ी से कपड़ा बांधकर फांसी लगा ली। ज्यादा देर तक कमरा बंद होने के बाद पत्नी ने दरवाजा खोलना चाहा तो दरवाजा बंद था। हो हल्ला पर पड़ोसियों के आने के बाद किसी तरह दरवाजा खोला। देखा कि पवन पंखे के हुक से लटका हुआ है। सांसें थम चुकी थी। लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर अन्त्य परीक्षण के लिए भेज दिया। चौकी प्रभारी लालगंज परमानन्द त्रिपाठी ने बताया कि प्रथम दृष्टया युवक के फांसी लगाने का मामला लग रहा है।

परिवहन मंत्री ने नुक्कड़ सभा में भाजपा उम्मीदवार को वोट देने की अपील की

नगरा, बलिया। प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह रविवार को सायंकाल नगर पंचायत नगरा में भाजपा उम्मीदवार श्रीमती रेनू देवी के पक्ष में नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए नगर को ट्रिपल इंजन की सरकार से जोड़ने के लिए 11 मई को होने वाले मतदान में कमल के फूल पर मुहर लगाकर भाजपा उम्मीदवार को जिताने की अपील की। परिवहन मंत्री ने कहा कि मोदी योगी की डबल इंजन की सरकार गरीब हितैषी है। बिना भेदभाव के गांव के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की सभी योजनाएं पहुंच रही है। योगी जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश उत्तम प्रदेश बनने की ओर तेजी से अग्रसर है। उन्होंने कहा कि नगर पंचायत नगरा में एक तरफ गरीब परिवार से जुड़ी उम्मीदवार है तो दूसरी तरफ धनबल के बल पर चुनाव लडा जा रहा है। भाजपा के गरीब उम्मीदवार को अपना वोट देकर जिताएंगे तो आने वाले दिनों में नगरा में चतुर्दिक विकास दिखाई देगा। फाजिल नगर के विधायक सुरेन्द्र कुशवाहा ने कहा कि रेनू देवी को जिताकर आप सभी मोदी योगी के हाथो को मजबूती प्रदान कर अपनी ट्रिपल इंजन सरकार बनाए, ताकि आपके नगर में भी देश प्रदेश की तरफ तेजी से विकास होता रहे। नुक्कड़ सभा को पूर्व विधायक धनंजय कन्नौजिया, गोरख पासवान, भाजपा नेता छट्ठू राम, जिलाध्यक्ष जय प्रकाश साहू, खड्ग बहादुर तिवारी, योगेन्द्र यादव, काशीनाथ जायसवाल, दीपक कुमार, जेपी जायसवाल, पृथ्वीपाल सिंह आदि ने संबोधित किया। अध्यक्षता कैलाश बिहारी सिंह व संचालन जिला महामंत्री आलोक शुक्ला ने किया।

गर्भावस्था में पौष्टिक आहार लेती रहें गर्भवती

आयरन फोलिक एसिड व कैल्शियम की गोली भी करती रहें सेवन, दुदही सीएचसी पर आयोजित पीएमएसएमए दिवस पर हुई गर्भवती की जांच, 120 गर्भवती ने करायीं जांच

प्रखर पडरौना कुशीनगर। मातृ शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के लिए गर्भवती की विशेष जांच अनिवार्य है। इसी उद्देश्य से माह में चार दिन प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान दिवस मनाया जाता है। इसी क्रम में मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र दुदही पर प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर अधीक्षक डॉ.अरविंद कुमार सिंह ने कहा कि गर्भवती गर्भावस्था के दौरान अपने सेहत के प्रति सतर्क रहें। आयरन फोलिक एसिड व कैल्शियम की गोली के साथ पौष्टिक आहार लेती रहें और प्रसव पूर्व चार जांचें जरूर कराएं। उन्होंने कहा कि गर्भवती खानपान सही रखें। दूध, पनीर, ताजा मौसमी फल, दाल, हरी सब्जियां एवं अन्य प्रोटीन व विटामिन युक्त आहार लेती रहें। समय-समय पर टीकाकरण भी कराती रहें। किसी भी जटिलता से बचने के लिए प्रसव चिकित्सक द्वारा सुझाए गए सरकारी अस्पताल में ही कराएं। प्रसव के लिए अस्पताल आने जाने के लिए 102 नंबर एंबुलेंस सुविधा भी उपलब्ध है। सीएचसी पर कुल 120 गर्भवती जांच कराने पहुंची, जिसमें से 22 उच्च जोखिम गर्भावस्था वाली मिली। उच्च जोखिम गर्भावस्था वाली 13 गर्भवती को एनीमिया कार्नर में आयरन सुक्रोज भी चढ़ाया गया पीएमएसएमए दिवस पर जांच कराने आईं ग्राम पंचायत जंगल नगवा की रहने वाली आठ माह की उच्च जोखिम गर्भावस्था वाली गर्भवती किरन (26) ने बताया कि वह सीएचसी पर पहली बार जांच कराने आईं हैं । इससे पहले दो बार निजी अस्पताल पर जांच कराई थीं। सीएचसी पर हुई जांच में पता चल गया था कि उनके शरीर में खून की कमी है, और वह उच्च जोखिम (एचआरपी) गर्भावस्था में है। खून की कमी को देखते हुए एनीमिया कार्नर में उन्हें आयरन सुक्रोज चढ़ाया गया। दवा और पौष्टिक आहार लेते रहने की सलाह भी मिली।

अल्ट्रासाउंड जांच के लिए 24 गर्भवती रेफर- सीएचसी के अधीक्षक ने बताया कि मंगलवार को पीएमएसएमए दिवस पर जांच कराने आईं 24 गर्भवती को अल्ट्रासाउंड जांच के लिए रेफर किया गया। उन्हें बताया गया कि क्यू आर कोड या एसएमएस के जरिए वह पंजीकृत निजी अल्ट्रासाउंड केन्द्र पर सरकारी प्रावधानों के तहत जाकर अपना अल्ट्रासाउंड करा सकती हैं।

गर्भवती कब-कब कराएं जांच

-पहली जांच माहवारी छूटने के तीन माह के भीतर

-दूसरी जांच गर्भावस्था के चौथे व छठें महीने में

-तीसरी जांच गर्भावस्था के सातवें से आठवें महीने में

-चौथी जांच गर्भावस्था के नौवें महीने में।

असहाय व जरुरतमंद महिलाओं व 50 छात्राओं को सामग्री का वितरण

बलिया। अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस सोसाइटी के स्थापना दिवस के अवसर पर नगवा स्थित शहीद मंगल पांडे राजकीय महिला महाविद्यालय के सभागार में 55 असहाय एवं जरुरतमंद महिलाओं को किचन सेट, तिरपाल व साबुन तथा महाविद्यालय की 50 छात्राओं को स्वच्छता से संबंधित हाइजीन किट व साबुन का वितरण किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय की कुलपति/ संरक्षक सदस्य रेडक्रास सोसायटी बलिया प्रो ० कल्पलता पांडेय ने मां सरस्वती व शहीद मंगल पांडे के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित व पुष्प अर्पित कर किया। अपने संबोधन में कुलपति ने कहा कि प्रथम विश्वयुद्ध तथा द्वितीय विश्वयुद्ध में रेड क्रॉस सोसाइटी की अहम भूमिका रही। यही वजह है कि 1901में प्रथम नोबेल पुरस्कार रेड क्रॉस के संस्थापक हेनरी डयूनेंट को दिया गया। उन्होंने कहा कि सेवा भाव सभी के अंदर होना चाहिए ,वृद्धजनों की सेवा को सबको प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने रक्तदान को बढ़ावा देते हुए कहा कि लाल खून से किसी के लाल को बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हम सबको मनुष्यता ,समाज सेवा, राष्ट्र सेवा को प्राथमिकता देना चाहिए।युवाओं में असीम उर्जा है इसका प्रयोग समाज सेवा एवं राष्ट्र सेवा में करने की आवश्यकता है।समाज सेवा के माध्यम से भारत बहुत जल्दी विश्व गुरु बन सकता है। उन्होंने कर्यक्रम में आमंत्रित करने के लिए रेडक्रास सोसायटी बलिया के समन्वयक शैलेंद्र पांडेय एवं अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ आनंद कुमार के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। अपर मुख्य चिकित्साधिकारी/ सचिव रेड क्रॉस सोसायटी बलिया डॉ आनंद कुमार ने रेड क्रॉस डे क्यों मनाया जाता है के बारे में विस्तार से बताया तथा क्षय रोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी। जिला समन्वयक शैलेन्द्र पाण्डेय ने रेड क्रॉस सोसायटी के द्वारा बलिया जनपद में कराये जा रहे सामाजिक कार्यों से अवगत कराते हुए रेडक्रास सोसायटी के महत्व पर प्रकाश डाला। जिला शिकायत प्रबंधक आयुष्मान भारत अनुपम सिंह द्वारा आयुष्मान भारत योजना के बारे में विस्तार से बताया।

संक्षिप्त खबरें

बारातियों से भरी अनियंत्रित बोलेरो ने अर्टिका में जोरदार टक्कर बोलेरो छोड़ बराती हुए फरार

प्रखर केराकत जौनपुर। स्थानीय सरकी चौकी क्षेत्र के अंतर्गत सुल्तानपुर गांव में बोलेरो और अर्टिका में बीती रात भिड़ंत हो गई जिसमें बोलेरो सवार बराती बोलेरो छोड़कर फरार हो गये। हम आपको यह भी बताते चलें कि रामपुर हरदसही मेहनाजपुर आजमगढ़ से सिहौली केराकत शादी समारोह में आए थे । और शादी समारोह के बाद अपने घर वापसी के लिए निकले जैसे वह सुल्तानपुर नहर के पास पहुंचे की आजमगढ़ देवगाँव से केराकत की तरफ जा रही अर्टिका जिसके बाद केराकत से देवगाँव की जा रही तेज रफ्तार बोलेरो अनियंत्रित होकर जोरदार टक्कर मार दी । और टक्कर की तेज आवाज सुन आस पास के ग्रामीणो की भीड़ इकट्ठा हो गयी। जिसमें आर्टिका गाड़ी में सवार एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया सूचना पर पहुंची पुलिस घायल युवक को अस्पताल भेजने के बाद गाड़ी को कब्जे में लेकर आवश्यक विधिक कार्यवाही में जुटी।

अखिल भारतीय रौनियार वैश्य महासभा के राष्ट्रीय संयोजक राजू गुप्ता ने अमरनाथ रौनियार को दिया समर्थन

बलिया। नगर के गुरुद्वारा रोड स्थित उमेश गुप्ता रौनियार के आवास पर प्रेसवार्ता में कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार जनपद नगर पालिका अध्यक्ष प्रत्याशी अमरनाथ रौनियार को अखिल भारतीय रौनियार वैश्य महासभा के राष्ट्रीय संयोजक राजू गुप्ता ने समर्थन सदेते हुए अपने समाज के अमरनाथ रौनियार को कांग्रेस पार्टी द्वारा टिकट दिए जाने पर कांग्रेस पार्टी को हार्दिक बधाई शुभकामनाएं दी अपने रौनियार वैश्य समाज के लोगों को एकजुट होकर कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार अमरनाथ रौनियार को वोट देकर विजई बनाने का अपील किया। वहीं नगर पालिका अध्यक्ष प्रत्याशी अमरनाथ ने कहा की नगर की जनता का मुझ पर भरोसा और आशीर्वाद मिला तो मैं नगर को सुंदर व स्वच्छ बनाऊंगा। इस मौके पर मुख्य रूप से अजय गुप्ता, बिट्टू गुप्ता, उमेश गुप्ता रौनियार, प्रमोद जी रौनियार, गौरीशंकर रौनियार उपस्थित रहे।

गायत्री शक्तिपीठ के तत्वावधान में महामृत्युंजय मंत्र का कराया गया जाप

दुबहर, बलिया। गायत्री शक्तिपीठ बलिया के तत्वावधान में क्षेत्र के घोड़हरा गांव में शनिवार की देर शाम गायत्री दीप यज्ञ एवं रविवार को गायत्री हवन यज्ञ का आयोजन किया गया। शक्तिपीठ से पधारीं महिला पुरोहिताचार्य शांति शर्मा एवं नीरा राय ने वैदिक पद्धति से गायत्री मंत्र और महामृत्युंजय मंत्र द्वारा यज्ञ कराकर गांव एवं क्षेत्र के लोगों के मंगलमय की कामना की। इस अवसर पर महिला पुरोहित शांति शर्मा ने कहा कि गायत्री मंत्र एवं महामृत्युंजय मंत्र में अनगिनत शक्तियां विद्यमान है। गायत्री मंत्र एवं महामृत्युंजय मंत्र द्वारा यज्ञ करने का भौतिक एवं आध्यात्मिक महत्व है। यज्ञ में अग्नि के आहुतियों से संपूर्ण वातावरण पवित्र एवं देवमय हो जाता है। इस अवसर पर ज्योति तिवारी, लीलावती सिंह, सुशीला सिंह, विद्यावती देवी, अंजू देवी, आशा गुप्ता, सरिता गुप्ता, दिनेश सिंह, शशि सिंह लड्डू, लिखू पांडेय, देवनारायण गुप्ता, चिरंतन गुप्ता,चेतन गुप्ता आदि मौजूद रहे।

पिकअप और बाइक की टक्कर में बाइक सवार की मौत, दूसरा घायल

बलिया। बलिया में सिकदरपुर-बलिया मार्ग पर जनुवान शहीद बाबा के स्थान के समीप रविवार को पिकअप और बाइक की टक्कर में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई। जबकि दूसरे घायल का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पकड़ी थाना क्षेत्र के चक उसरैला गांव निवासी धनजंय राम (35) पुत्र राजदेव राम तथा अरुण राम (32) पुत्र देवनाथ राम रविवार को बाइक द्वारा खेजुरी से सिलेंडर लेकर आ रहे थे। वह जैसे ही जनुवान शहीद बाबा के स्थान के समीप पहुंचे अचानक विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ्तार अज्ञात पिकअप से बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में धनंजय राम की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि उसका साथी अरुण कुमार राम गंभीर रूप से घायल हो गया।

विशाल जुलुस निकाल कर लक्ष्मण ने किया विरोधियों को स्तब्ध

बलिया। शक्ति प्रदर्शन के दौर में आज लक्ष्मण गुप्ता ने समर्थकों का विशाल जुलुस निकाल कर अपने उन विरोधियों को करारा जबाब दिया है जो अटकले लगा रहे थे कि लक्ष्मण गुप्ता का समर्थन घट गया है। हजारों की संख्या में समाजवादी पार्टी जिंदाबाद लक्ष्मण गुप्ता जिंदाबाद का नारा लगाते हुए सपा का झंडा लहराते हुए जब समर्थकों का रेला सड़कों पर निकला तो चारों तरफ सिर्फ व सिर्फ लक्ष्मण की जीत के ही चर्चे शुरू हो गये । लक्ष्मण गुप्ता का आज का यह प्रदर्शन इस लिये भी ऐतिहासिक है कि सत्ता पक्ष के प्रत्याशी के समर्थन में स्वयं मुख्यमंत्री जी व उप मुख्यमंत्री जी के साथ ही सांसदों, तीन तीन मंत्रियो और विधायकों के संयुक्त प्रयास से जो समर्थन जनता से नही मिला है वो पूर्व चेयरमैन लक्ष्मण गुप्ता के सरल व्यक्तित्व व पूर्व विधायको सनातन पाण्डेय, मंजू सिंह, व राम इकबाल सिंह, वरिष्ठ सपा नेता रामजी गुप्ता, अनिल राय, बलराम गुप्ता, अरविंद गोंडवाना की संयुक्त टीम के प्रयास से आज देखने को मिला।

Entertainment News

आमिर खान काठमांडौ में लगाएंगे ध्यान

बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान ने लंबे समय बाद फिल्म लाल सिंह चड्ढा से बड़े पर्दे पर कमबैक किया था। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिर गई। इस फिल्म की असफलता के बाद आमिर ने दोबारा एक्टिंग से ब्रेक लेने का ऐलान कर दिया था। हालांकि वह अक्सर किसी इवेंट या शोज में नजर आते रहते हैं। वहीं अब खबरों के अनुसार आमिर खान नेपाल के काठमांडौ पहुंचे गए हैं। यहां वो एक मेडिटेशन कोर्स का हिस्सा बनने वाले हैं। खबरों के अनुसार आमिर खान नेपाल की राजधानी काठमांडौ के बुधानिलकंठा में नेपाल विपश्यना सेंटर में ठहरेंगे। यहां आमिर खान 11 दिन बिताएंगे, इस दौरान वह 10 दिनों का मेडिटेशन कोर्स भी पूरा करेंगे। हालांकि इस बारे में अभी तक कोई ऑफिशियल जानकारी सामने नहीं आई है। बता दें कि लाल सिंह चड्ढा की रिलीज़ के बाद, आमिर ने घोषणा की थी कि वह फिल्मों से ब्रेक लेंगे और पूरी तरह से फिल्मों के प्रोडक्शन पर ध्यान फोकस करेंगे।

बिपाशा ने शेयर की बेटी की मॉर्निंग एक्सरसाइज वीडियो

बंगाली ब्यूटी और बॉलीवुड की एक्ट्रेस बिपाशा बसु पिछले ही साल देवी नाम की एक प्यारी बेटी की मां बनी। जो कि 12 मई को छह महीने की हो जाएंगी। बिपाशा अपनी बेटी का चेहरा काफी पहले फैंस को दिखा चुकी हैं। एक्ट्रेस समय-समय पर फैंस के साथ अपनी बेटी से जुड़ी कई एक्टिविटी शेयर करती रहती हैं। लेटेस्ट में उन्होंने देवी का एक वीडियो शेयर किया है। जिसमें उन्होंने अपनी बेटी के भविष्य की भविष्यवाणी तक कर दी है। हालांकि इसके लिए उन्हें ट्रोलिंग का सामना भी करना पड़ा।

एक्ट्रेस ने बेटी का जो वीडियो शेयर किया है। उसमें देखा जा सकता है कि वह एक बॉल के साथ खेल रही हैं। देवी जिस तरह बॉल को पैर मार रही हैं। उस हुनर को देखते हुए बिपाशा ने उसे एथलीट बताया है। बिपाशा ने इंस्टाग्राम पर यह वीडियो शेयर किया। जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा। नैचुरल एथलीट। बिपाशा ने जैसे ही यह वीडियो शेयर किया उन्हें तारीफों के साथ ही आलोचनाओं का भी सामना करना पड़ा। एक यूजर ने लिखा अभी कैसे एथलीट बन सकती है। वह सिर्फबच्ची है। मुझे समझ नहीं आता कि कब इंडियन पेरेंट्स अपने बच्चों पर अपनी पसंद को थोपना बंद करेंगे। अगर आप लोग व्यायाम करते हैं या फिटनेस का पूरा ध्यान देते हैं। इसका यह मतलब नहीं है कि आपकी बेटी को भी ऐसा ही करना है। वहीं कई लोगों ने देवी को खूबसूरत बच्चा कहकर बिपाशा करण को बधाई दी है।

ये जवानी है दीवानी का बनेगा सीक्वल!

अयान मुखर्जी के निर्देशन में बनी फिल्म ये जवानी है दीवानी बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई थी। इस फिल्म में रणबीर कपूर और दीपिका पादुकोण की जोड़ी को काफी पसंद किया गया था। फैंस बीते काफी समय से इस फिल्म का सीक्वल बनाने की मांग कर रहे हैं। वहीं अब रणबीर कपूर ने ये जवानी है दीवानी के सीक्वल को लेकर बड़ा हिंट दिया है। हाल ही में रणबीर कपूर ने एक ऑनलाइन इंटरेक्शन के दौरान फैंस से बात की। इस दौरान उनसे पूछा गया कि वो कौन सी ऐसी मूवी चाहते हैं जिसका सीक्वल बने। इसपर पर रणबीर ने बताया कि वो ये जवानी है दीवानी का सीक्वल देखना चाहते हैं। रणबीर ने यह भी कहा कि अयान मुखर्जी के पास ये जवानी है दीवानी 2 के लिए स्टोरी भी है लेकिन वो ब्रह्मास्त्र में बिजी हो गए थे। रणबीर कपूर ने कहा, मुझे लगता है कि ये जवानी है दीवानी एक अच्छा सीक्वल बनेगी। अयान के पास एक बहुत अच्छी कहानी थी, मुझे याद है, लेकिन फिर वह ब्रह्मास्त्र जर्नी में चले गए। लेकिन, कभी ना नहीं कहना चाहिए। वह इसे कुछ सालों के बाद बना सकते हैं।

बकेट स्टाइल बैग कैरी करने पर ट्रोल हुई अनन्या

अनन्या पांडे हाल ही में मुंबई में एक इवेंट में नजर आईं। इस दौरान उन्होंने पिंक कलर की ड्रेस के साथ एक बकेट स्टाइल बैग पेयर किया हुआ था। उनका ये वीडियो एक खास कारण से सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। लोग अनन्या पांडे को लेकर मजेदार सवाल पूछ रहे हैं।

अनन्या पांडे को एक इवेंट में शिरकत करते देखा गया। इस वीडियो को विरल भयानी ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर शेयर किया और कैप्शन दिया।पर्स या बाल्टी। दरअसल अनन्या के हाथ में जो पर्स था वो गोल्डन कलर की बाल्टी की शेप का था। लोगों ने वीडियो पर मजेदार रिएक्शन देना शुरू कर दिया। एक से एक ने लिखा

दाल तड़के की बाल्टी वापस जाते समय भर के लेके जाना। दूसरे ने कहा इस पर्स का साइज अनन्या के स्ट्रगल के बराबर है। तीसरे ने कहा बाल्टी ही है दाल मखनी मिलेगी ना अभी। चौथे शख्स ने कमेंट किया दाल फ्राई ले कर आई है। इससे पहले बॉलीवुड कल्चर के बायकॉट के बारे में बोलते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि हर दिन किसी न किसी का बायकॉट किया जाता है। उन्होंने इन बातों को बहुत गंभीरता से लेना छोड़ दिया है। अनन्या ने उल्टा सवाल पूछा कि आप बताइए कि कौन है बॉलीवुड में ऐसा जिसका बायकॉट नहीं किया गया है। अनन्या ने फिल्मों और एक्टर्स के बायकॉट कल्चर के बारे में बात करते हुए कहा मुझे लगता है कि यह एक सर्कल की तरह है। हर दिन किसी न किसी का बायकॉट हो रहा है या सभी का कैंसिल हो रहे हैं। हम अपना ट्रैक खो रहे हैं। मैंने किसी से यह भी पूछा कि क्या मेरा बायकॉट भी किया गया है या मैं अभी भी ठीक हूं।

सालों बाद साथ नजर आए अक्षय व रवीना

90 के दशक में अक्षय कुमार और रवीना टंडन के अफेयर की खबरें सुर्खियों में छाई रहती थी। दोनों ने पहली बार 1994 में फिल्म मोहरा में साथ काम किया था। उनका ऑन-स्क्रीन रोमांस असल जिंदगी के प्यार में बदल गया था। अक्षय और रवीना टंडन का प्यार इतना परवान चढ़ा की दोनों सगाई भी कर ली थी। हालांकि, बाद में दोनों ने सगाई तोड़ दी और अपनी राहे जुदा कर ली थी। अक्षय कुमार और रवीना टंडन ब्रेकअप के बाद कभी साथ नजर नहीं आए। फैंस को भी उम्मीद नहीं थी कि दोनों कभी साथ में स्पॉट हो सकते हैं। लेकिन अब अक्षय और रवीना हाल ही में एक अवॉर्ड इवेंट में साथ दिखाई दिए। इस दौरान दोनों

के बीच अच्छी बॉन्डिंग भी नजर आई। इस अवॉर्ड फंक्शन में अक्षय कुमार और रवीना टंडन को गले मिलते हुए भी देखा गया। जिसकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहे हैं। दोनों एक-दूसरे के बगल में बैठे और अनाउंसमेंट के दौरान बातचीत करते भी दिखे। इस अवार्ड शो में, अक्षय कुमार ने स्टाइल हॉल ऑफ फ्रेम-मेल पुरस्कार जीता। रवीना ने उन्हें अवॉर्ड दिया। एक वीडियो में वह विनर के तौर पर अक्षय का नाम अनाउंस करती नजर आ रही हैं। जिसे सुनकर अक्षय अपनी सीट से उठते हैं और स्टेज पर जाकर रवीना के गले मिलते हैं।

सोनम ने शादी की सालगिरह पर आनंद आहूजा के लिए लिखा स्पेशल नोट

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनम कपूर और आनंद आहूजा 8 मई को अपनी शादी की पांचवीं सालगिरह मना रहे हैं। शादी की सालगिरह पर सोनम कपूर ने आनंद आहूजा के साथ बेहद रोमांटिक तस्वीरें शेयर करते हुए उनके प्रति अपने प्रेम का इजहार किया है। तस्वीरों में सोनम और आनंद के बेटे वायु की भी झलक देखने को मिल रही है। तस्वीरों में सोनम और आनंद कभी साथ में टाइम स्पेंड करते तो कभी एक-दूसरें को निहारते दिख रहे हैं। सोनम ने अपनी वेडिंग की झलक भी दिखाई है। वहीं एक तस्वीर में आनंद अपने बेटे वायु के साथ टाइम स्पेंड करते नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों के साथ सोनम ने कैप्शन में लिखा, यह हमारी सालगिरह है! हर दिन मैं अपने सितारों का शुक्रिया अदा करती हूं कि मैंने आपको अपने जीवन साथी के रूप में पाया।

मेरे जीवन के सर्वश्रेष्ठ 7 वर्षों के लिए धन्यवाद। हंसी, जुनून, लंबी बातचीत, संगीत, यात्रा, लंबी ड्राइव और सबसे महत्वपूर्ण रूप से हमारे सुंदर बेटे वायु को पाने के लिए। लव यू माय जान.. मैं हमेशा आपकी गर्लफ्रेंड, सबसे अच्छी दोस्त और पत्नी रहूंगी, आपके साथ हर दिन वास्तव में अभूतपूर्व है। बता दें कि सोनम कपूर और आनंद अहूजा 8 मई 2018 को शादी के बंधन में बंधे थे। दोनों की पहली मुलाकात साल 2014 में हुई थी। इसके बाद दोनों ने एक दूसरे को फेसबुक पर एड कर लिया था और बातें करने लगे थे। शादी के बाद सोनम पति संग लंदन शिफ्ट हो गई थीं। हालांकि बेटे के जन्म के बाद से ही सोनम भारत में हैं।

मनोज बाजपेयी की 'सिर्फ एक बंदा काफी है' का ट्रेलर हुआ रिलीज

मनोज बाजपेयी ने हिंदी सिनेमा में बड़े पर्दे पर एक से बढ़कर एक किरदार निभाए हैं। उन्होंने अपने अलग-अलग किरदारों से दर्शकों को हैरान कर दिया है। मनोज बाजपेयी की अगली फिल्म सिर्फ एक बंदा काफी है बहुत जल्द जी5 पर रिलीज होने वाली है। अभिनेता के जन्मदिन के अवसर पर इस फिल्म का पोस्टर रिलीज किया था। अब मेकर्स ने इस फिल्म का ट्रेलर भी रिलीज कर दिया है जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। सिर्फ एक बंदा काफी है के नाम से बनी इस फिल्म ट्रेलर दर्शकों के बीच खूब सुर्खियां बटोर रहा है। ट्रेलर में मनोज ने एक वकील की भूमिका में नजर आ रहे हैं जो तमाम विषमताओं के बीच सच और न्याय के लिए लड़ता है। यह एक ऐसे वकील की कहानी है जो कभी हार नहीं मानता। ट्रेलर में साफ देखा जा सकता है कि मनोज एक लड़की को न्याय दिलाने के लिए हर मुमकिन कोशिश करते नजर आ रहे हैं।

गौरतलब है कि मनोज की यह फिल्म सच्ची घटना पर आधारित है जिसमें अभिनेता वकील पूनम चंद सोलंकी का किरदार निभा रहे हैं। सिर्फ एक बंदा काफी है फिल्म पूरी तरीके से कोर्ट रूम ड्रामा है। ट्रेलर में देखा जा सकता है कि इस फिल्म में मनोज एक साधारण वकील होकर एक असाधारण केस लड़ते हैं जिसमें वह लोगों की नजरों से एक बाबा की असली छवि का पर्दाफाश करते हैं और बुराई के खिलाफलड़कर लड़की को न्याय दिलवाने की कोशिश करते हैं। आपको बता दें कि मनोज की यह नई फिल्म 23 मई को ओटीटी प्लेटफॉर्म जी 5 में स्ट्रीम होगी। दीपक किंगरानी लिखित फिल्म का निर्देशन अपूर्व सिंह कार्की ने किया है।

पंकज त्रिपाठी ने शुरू की 'मैं अटल हूं' की शूटिंग

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन पर बायोपिक फिल्म मैं अटल हूं बनने जा रही है। इस फिल्म में पंकज त्रिपाठी अटल जी का किरदार निभाते नजर आने वाले हैं। फिल्म से पंकज का फर्स्ट लुक भी सामने आ चुका है। वहीं अब मेकर्स ने आधिकारिक तौर पर मैं अटल हूं की शूटिंग शुरू होने की घोषणा की है। यह फिल्म भारत के प्रिय नेता अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन और राजनीतिक करियर के इर्द-गिर्द घूमेगी, जो न केवल एक राजनेता थे, बल्कि एक कवि, एक सज्जन और एक राजनेता भी थे। मुंबई में शूटिंग शुरू करते हुए टीम के पास देश के विभिन्न हिस्सों जैसे मुंबई और लखनऊ को कवर करने के लिए 45 दिनों से अधिक का लंबा शेड्यूल होगा। पंकज त्रिपाठी ने एक कहा, हमारे महान नेता श्री अटल बिहारी

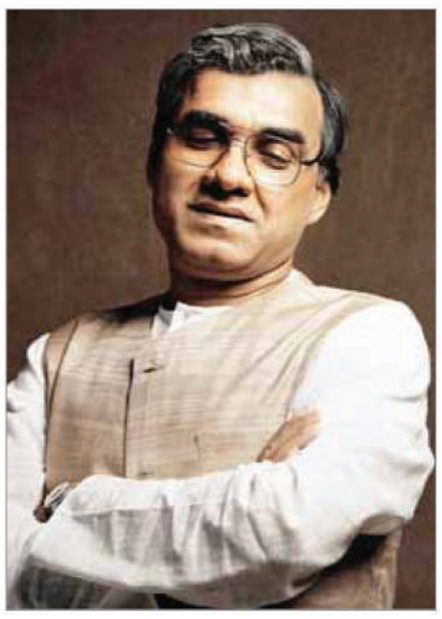

वाजपेयी की भूमिका निभाने का मौका मिलना अपने आप में एक सम्मान की बात थी, उनकी जीवन शैली और भारत के लिए उनके दृष्टिकोण को समझने के लिए हमने कठोर पठन सत्र आयोजित किए। आज जब हम मैं अटल हूं की शूटिंग शुरू कर रहे हैं तो बहुत खुशी हुई।

निर्देशक रवि जाधव ने कहा, मैंने पंकज जी को अटल जी को जानने और समझने की प्रक्रिया में शामिल होते देखा है। मुझे यकीन है कि इस तरह के कुशल व्यक्तित्व को निभाने के लिए पंकज जी से बेहतर कोई और नहीं हो सकता था। हमारी फिल्म के साथ वही जादू पैदा करने की उम्मीद है जो अटल जी ने अपने जीवन और हमारे देश के लिए अपनी दृष्टि के साथ बनाया था। निर्माता विनोद भानुशाली ने साझा किया, मैं अटल हूं एक विशेष फिल्म है। फिल्म से जुड़ा हर व्यक्ति इसे हमारे दर्शकों के लिए बेहतरीन अनुभवों में से एक बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। हमने अपनी फिल्म की शूटिंग के लिए ग्राउंड पर आने से पहले कहानी से लेकर हमारे हर किरदार के जगह तक के लिए काफी शोध किया है।

बता दें कि मैं अटल हूं को 3 बार के राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता रवि जाधव निर्देशित कर रहे हैं। भानुशाली स्टूडियोज लिमिटेड और लीजेंड स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत मैं अटल हूं विनोद भानुशाली, संदीप सिंह, सैम खान और कमलेश भानुशाली द्वारा निर्मित और 70 एमएम टॉकीज के जीशन अहमद और शिव शर्मा द्वारा सह-निर्मित है।

जापान के स्कूल में गैस रिसने से 50 छात्र बीमार

ओसाका, (एजेंसी)। जापान के याओ के कमेई एलीमेंट्री स्कूल में गैस की गंध आने के बाद 50 से अधिक छात्रों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। क्योडो न्यूज ने सोमवार को यह जानकारी दी। स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 09:00 बजे ओसाका प्रान्त में प्राथमिक विद्यालय में गैस की गंध की सूचना मिली थी। पूर्वान 11:00 बजे तक गंध अभी भी मौजूद थी और गैस रिसाव की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है। गंध का पता चलने के बाद बच्चों को स्कूल के प्रांगण में ले जाया गया, जहां कई दर्जन लोगों ने अस्वस्थ महसूस करने की शिकायत की।

यूएस गोलीबारी में एक भारतीय की भी मौत

वाशिंगटन, (एजेंसी)। टेक्सास में एक मॉल में हुई गोलीबारी में जान गंवाने वाले नौ लोगों में ऐश्वर्या थाटिकोंडा (27) भी शामिल है। वह हैदराबाद की निवासी थीं। ऐश्वर्या रंगारेड्डी जिला कोर्ट में डिस्टिक जस्टिस की बेटी थीं। न्यायाधीश के एक मित्र ने सोमवार को बताया कि वह टेक्सास में प्रोजेक्ट इंजीनियर के तौर पर काम कर रही थीं। ऐश्वर्या का परिवार हैदराबाद के सरूरनगर में रहता है। उन्होंने शहर के एक कॉलेज से सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की थी और अमेरिका से स्नातकोत्तर की डिग्री ली थी।

आनंद मोहन रिहाई केस में दो सप्ताह में मांगा जवाब

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार के गोपालगंज के 1994 में तत्कालीन जिला अधिकारी जी कृष्णैया की पीट-पीटकर हत्या के दोषियों में शामिल बाहुबली नेता आनंद मोहन सिंह को उम्र कैद की पूर्व निर्धारित सजा पूरी होने से पूर्व जेल से अप्रैल में रिहा करने के राज्य सरकार के संशोधित कानून को चुनौती देने वाली याचिका पर सोमवार को संबंधित पक्षों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया। दो जजों की युगल पीठ ने बिहार सरकार एवं अन्य को दो सप्ताह के भीतर अपना जवाब दाखिल करने का आदेश जारी किया। सीजेआई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने स्वर्गीय कृष्णैया की विधवा उमा कृष्णैया की याचिका पर शीघ्र सुनवाई की।

चूड़धार में गिरी तीन इंच बर्फ,150 श्रद्धालु फंसे

शिमला, (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले में चूड़धार में तीन इंच हिमापत हुआ है। चूड़धार में मौसम बार-बार करवट बदल रहा है। गत दिवस चूड़धार में सुबह आठ बजे तक मौसम पूरी तरह साफ था। चोटी पर धूप खिल रही थी। अचानक आसमान में बादल घुमड़ने शुरू हुए और नौ बजे के बाद बर्फबारी शुरू हो गई जो करीब डेढ़ घंटे तक हुई। इस दौरान चूड़धार में तीन इंच तक ताजा हिमपात हुआ। बर्फबारी के बाद चूड़धार का तापमान दो डिग्री पर पहुंच गया, जिसके कारण चूड़धार में ठंड का प्रकोप काफी बढ़ गया। शनिवार देर रात तक चूड़धार पहुंचे करीब 150 श्रद्धालु बर्फबारी के चलते सुबह करीब 11 बजे तक चूड़धार में ही फंसे रहे।

आज का इतिहास

- **1386:** विश्व की प्राचीनतम संधियों में से एक पुर्तगाल और इंग्लैंड के बीच विंडसोर समझौता हुआ।
- **1454:** इटली के नाविक और खोजकर्ता अमेरीगो वेसपस का जन्म हुआ। समुद्र यात्रा से गहरे लगाव के कारण उन्होंने यही काम अपना लिया।
- **1540:** उदयपुर, मेवाड़ में शिशोदिया राजवंश के राजा महाराणा प्रताप का जन्म हुआ।
- **1576:** महाराणा प्रताप और अकबर के बीच हल्दी घाटी का युद्ध शुरू हुआ।
- **1588:** ड्यूक हेनरी द ग्यूसे की सेना ने पेरिस पर कब्जा किया।
- **1653:** भारत की विश्वविख्यात ऐतिहासिक इमारत ताज महल का निर्माण 22 वर्ष के निरंतर परिश्रम के बाद पूरा हुआ।
- **1689:** अंग्रेज शासक विलियम तृतीय ने फ्रांस के साथ युद्ध की घोषणा की।
- **1753:** जाट राजा सूरजमल ने दिल्ली में लूटमार की।

कर्नाटक चुनाव 2023: भाजपा-कांग्रेस का 150 सीटों का लक्ष्य

प्रत्याशियों की किस्मत EVM में कल होगी कैद, थमा प्रचार

- *पीएम मोदी ने की 18 जनसभाएं और 6 रोड शो, राष्ट्रीय मुद्दों पर रहा जोर, कांग्रेस ने स्थानीय मुद्दों को उठाया*

बेंगलुरु ■

कर्नाटक में 10 मई को विधानसभा चुनाव के लिए वोट डाले जाएंगे। सोमवार को चुनाव प्रचार का शोर थम गया। राज्य की सत्ता पर दोबारा काबिज होने के लिए भाजपा ने सारे दांव चल दिए हैं। वहीं कांग्रेस ने उसे पटखनी देने के लिए पूरा दम लगा दिया। राज्य की तीसरी सबसे बड़ी ताकत बने जद-(एस) ने भी मतदाताओं को रिझाने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी है।

पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह समेत विभिन्न पार्टियों के दिग्गज नेताओं ने पिछले कुछ दिनों में राज्य का तूफानी दौरे किए हैं। पीएम मोदी ने 29 अप्रैल से अब तक करीब 18 जनसभाएं और 6 रोड शो किए। वहीं भाजपा दक्षिण भारत में अपने गढ़ को बचाने की कोशिश में जुटी है। वहीं भाजपा से सत्ता छीनने के लिए कांग्रेस ने जान झोंक दी है।

2024 के लोकसभा चुनावों के लिए वह अपनी स्थिति को मजबूत करने की कोशिश कर रही है। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा की अगुआई में जद-(एस) ने भी चुनाव प्रचार में कोई कसर नहीं छोड़ी। इस बार जेडी-एस चुनावों में किंगमेकर नहीं, बल्कि विनर बन कर उभरना चाहती है।

अगर भाजपा का चुनाव प्रचार देखें तो यह पीएम मोदी के करिश्मे, डबल इंजन की सरकार, राष्ट्रीय मुद्दों, केंद्र-राज्य सरकारों की उपलब्धियों पर फोकस्ड रहा है। वहीं, दूसरी ओर कांग्रेस ने स्थानीय मुद्दों को उठाया। शुरुआत में उसके चुनाव प्रचार की बागडोर स्थानीय नेताओं के हाथों में थी। लेकिन बाद में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा जैसे नेता भी चुनाव प्रचार में कूद पड़े। बीते दिनों सोनिया गांधी ने कर्नाटक में चुनावी जनसभा को संबोधित किया था।

राहुल ने बस में सवारी की

चुनाव प्रचार के आखिरी दिन राहुल गांधी ने वर्किंग महिलाओं के साथ बस में सवारी की और बस स्टॉप पर कॉलेज स्टूडेंट के साथ बातचीत की और सेल्फी खिंचवाई। इस कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 65 से ज्यादा रैलियां और 20 के करीब रोड शो किए हैं। इसमें एक रैली सोनिया गांधी की भी थी। जो सालों बाद चुनाव प्रचार करने आई थीं।

प्रियंका का शायराना अंदाज

प्रियंका गांधी ने रविवार को कर्नाटक में चार रैलियां और रोड शो किया था। उन्होंने शिवाजी नगर की रैली में कहा- मैंने देखा कि पहली बार चुनाव प्रचार में पीएम मोदी ने महंगाई, विकास और जनता के सामने आने वाले मुद्दों पर बात की। लेकिन शाम होते ही पीएम किसी अंतरराष्ट्रीय साजिश की बात करने लगे। प्रियंका ने बेंगलुरु साउथ में जनसभा में एक शायरी भी पढ़ी- तू इधर उधर की बात ना कर, ये बता काफिला क्यों लुटा, मुझे रहजानों से गिला नहीं, तेरी रहबरी का सवाल है।

कर्नाटक को संप्रभु कहने पर सोनिया की शिकायत

भाजपा ने सोमवार को सोनिया गांधी के खिलाफ इलेक्शन कमीशन में शिकायत दर्ज कराई है। दरअसल, सोनिया गांधी ने 6 मई को कर्नाटक के हुबली में एक रैली की थी। सोनिया की यह कर्नाटक में पहली और आखिरी रैली थी। रैली खत्म होने के बाद कांग्रेस पार्टी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर ट्वीट कर लिखा- 6.5 करोड़ कर्नाटक वासियों को कांग्रेस पार्लियामेंट्री पार्टी (सीपीपी) चेयरपर्सन सोनिया गांधी का स्ट्रॉन्ग मैसेज। कांग्रेस कर्नाटक की साख, संप्रभुता और अखंडता पर कभी आंच नहीं आने देगी। इसी बयान पर भाजपा का एक शिष्टमंडल केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, जितेंद्र सिंह और पार्टी नेता अनिल बलूनी के नेतृत्व में सोमवार को चुनाव आयोग से मिला और सोनिया गांधी पर कार्रवाई की मांग की।

पहलवानों के समर्थन में आए किसान, तोड़े पुलिस के बैरिकेड

बोले- जल्दबाजी में था जत्था, 20 तक केंद्र को अल्टीमेटम

पहलवानों के समर्थन में आए किसान जंतर-मंतर पर लगे बैरिकेड को हटाते हुए।

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय कुश्ती संघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष बृजभूषण सिंह की गिरफ्तारी के लिए दिल्ली में पहलवानों के धरने का सोमवार को 16वां दिन था। सोमवार को किसानों का बड़ा जत्था जंतर-मंतर पर पहलवानों का समर्थन करने पहुंचा।

धरना स्थल से कुछ दूरी पूर्व पुलिस ने हैवी बैरिकेडिंग की थी, जिसे तोड़ते हुए किसान आगे बढ़े व खिलाड़ियों से मुलाकात की। सोशल मीडिया पर पुलिस-किसानों में तनातनी की खबरें चली। जिसके बाद दिल्ली पुलिस के डीसीपी ने ट्वीट किया। उन्होंने कहा कि किसानों के एक ग्रुप को जंतर-मंतर ले जाया गया। वह धरना स्थल पर पहुंचने की जल्दी में थे, उनमें से कुछ बैरिकेड्स पर चढ़ गए। इससे बैरिकेड नीचे गिर गए और फिर किसानों ने उन्हें हटा दिया गया। हरियाणा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश धनखड़ ने कहा कि उनकी गत दिवस देश के खेल मंत्री अनुराग ठाकुर से बातचीत हुई थी। उन्होंने आग्रह किया है कि धरने पर जो बेटियां बैठी हैं, वह हमारे हरियाणा का गौरव हैं।

सरकार को 20 मई तक का अल्टीमेटम

रविवार को जंतर-मंतर पर हुई हरियाणा, पश्चिमी यूपी और राजस्थान के खाप नेताओं की महापंचायत में रेसलर्स के धरने का समर्थन किया था। महापंचायत में पंजाब के किसान संगठन भी शामिल हुए। खाप महापंचायत में बृजभूषण सिंह पर कार्रवाई के लिए सरकार को 20 मई तक का अल्टीमेटम दिया गया। ऐसा न होने पर 21 मई को दोबारा महापंचायत बुलाकर बड़ा फैसला लिया जाएगा। महापंचायत के बाद किसान नेता राकेश टिकैत ने बताया था कि आंदोलन को खिलाड़ियों की कमेटी ही चलाएगी, लेकिन हर खाप रोजाना अपने 11-11 सदस्य रेसलर्स के समर्थन में जंतर-मंतर पर भेजेगी।

मेरी तारीफ सीएम गहलोत का बड़ा षड्यंत्र, वे झूठ बोल रहे हैं

पूर्व सीएम वसुंधरा बोलीं

जयपुर, (एजेंसी)। सियासी संकट के वक्त सरकार गिराने में सहयोग नहीं देने पर सीएम अशोक गहलोत के पूर्व सीएम वसुंधरा राजे की तारीफ करने पर विवाद हो गया है। राजे ने गहलोत पर निशाना साधते हुए उनकी तारीफ को षड्यंत्र बताया है। राजे ने रविवार देर रात लिखित बयान जारी कर कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत 2023 में होने वाली हार से भयभीत होकर झूठ बोल रहे हैं।

उन्होंने गृहमंत्री अमित शाह पर आरोप लगाया है, जिनकी ईमानदारी और सत्य निष्ठा सब जानते हैं। राजे ने कहा कि जीवन में मेरा जितना अपमान गहलोत ने किया, और कोई कर ही नहीं सकता। वे 2023 के चुनाव में होने वाली ऐतिहासिक हार से बचने के लिए ऐसी मनगढ़ंत कहानियां गढ़ रहे हैं। जो दुर्भाग्यपूर्ण है। उनकी ये चाल कामयाब होने वाली नहीं है। राजे ने कहा कि रिश्वत लेना और देना दोनों अपराध हैं। यदि उनके विधायकों ने पैसा लिया है, तो स्नढ्ढक्रदर्ज करवाएं। सच तो यह है कि अपनी ही पार्टी में हो रही बगावत और कम होते जनाधार के कारण बौखलाहट में उन्होंने ऐसे अमर्यादित और झूठे आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा सीएम गहलोत तो विधायकों की खरीद-फरोख्त में माहिर है।

केरल में नौका हादसे में मृतकों संख्या 22 दर्ज

मलप्पुरम (एजेंसी)। केरल में तनूर के निकट कुरापुझा नदी के मुहाने पर ओट्टुपुरम-थूवल थेरुम तट पर रविवार को नौका दुर्घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर 22 हो गई है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक हादसे में परापंगडी के एक ही परिवार के नौ लोगों की मौत हो गई। सभी 22 मृतकों की पहचान कर ली गई है। इनमें सात बच्चे भी शामिल हैं। इसके अलावा 10 अन्य घायल हुए हैं। दुर्घटना के 10 मिनट के भीतर ही मछुआरों और स्थानीय निवासियों ने 10 यात्रियों को बचा लिया। पुलिस को अंदेशा है कि दुर्घटना में एक एक व्यक्ति अभी भी लापता है। जिसकी तलाश में नौसेना, एनडीआरएफ, अग्निशमन विभाग के लोग, बचाव स्कूबी टीम और स्थानीय मछुआरों द्वारा अभियान चलाया जा रहा है।

असम की महिला आईएएस अजमेर से गिरफ्तार

105 करोड़ के घोटाले के मामले में फरारी काटने आई थी

अजमेर, (एजेंसी)। असम की आईएएस ऑफिसर सेवाली देवी शर्मा सहित तीन लोगों को अजमेर से गिरफ्तार किया गया है। इसमें उनका एक दामाद भी है। इस दौरान सेवाली की नौकरानी को भी हिरासत में लिया गया था। असम की विजिलेंस टीम ने सोमवार सुबह अजमेर की कोतवाली थाना पुलिस की मदद से इस कार्रवाई को अंजाम दिया। रविवार देर रात असम विजिलेंस की स्पेशल टीम इंस्पेक्टर प्रीतम सेकिया के नेतृत्व में अजमेर पहुंची थी। प्रीतम ने बताया- टीम रविवार रात को ही अजमेर पहुंच गई थी। कोतवाली थाना पुलिस से संपर्क किया गया। पूरा मामला बताया गया। आरोपियों के अजमेर होने की सूचना दी गई। साथ में दामाद और कॉन्ट्रैक्टर को भी पकड़ा गया।

असम रवाना हुई टीम

यह गिरफ्तारी असम की स्टेट काउंसलिंग ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग (एससीईआरटी) में 105 करोड़ रुपए के कथित घोटाले के मामले में हुई है। तीनों आरोपी फरारी काटने के लिए अजमेर आए थे। तीनों को यहीं के सीजीएम कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया। इसके बाद टीम इनको लेकर असम रवाना हो गई है।

हिमाचल के विद्यार्थी सकुशल दिल्ली लौटे : सीएम सुक्खू

नई दिल्ली

मणिपुर में कई दिनों से चल हिंसक घटनाओ के मद्देनजर हिमाचल सरकार द्वारा पांच बच्चों को सकुशल हवाई रास्ते द्वारा मणिपुर से कोलकाता होते हुए दिल्ली लाया गया जिसमें तीन विद्यार्थी एन आई टी और दो विद्यार्थी नेशनल स्पोर्ट यूनिवर्सिटी के छात्र हैं, इन सभी विद्यार्थियों का दिल्ली आगमन पर हिमाचल सदन में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज्य मंत्री राणा अनुरुद्ध सिंह, विधायक सुरेश कुमार और युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता अक्षय सिंह डढवाल एवं युवा कांग्रेस नेता एडवोकेट विवेक कुमार द्वारा स्वागत किया गया । मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह ने कहा कि मेरे निजी फोन पर एक विद्यार्थी इम्फाल में फसे रहने का संदेश आया और मदद की गुहार की गई, मैंने तुरंत ही अपने निजी खर्चे से हिमाचल के बच्चों को घर आपसी का आदेश दिया।

तीस्ता के खिलाफ चार्जफ्रेम प्रक्रिया पूर्ण

मोदी व गुजरात सरकार की मानहानि मामले में सुनवाई 22 को

अहमदाबाद, (एजेंसी)। 2002 के गुजरात दंगों से जुड़े मामलों के सिलसिले में झूठे साक्ष्य गढ़कर तत्कालीन सीएम नरेंद्र मोदी और गुजरात सरकार को बदनाम करने के मामले में एसआईटी ने चार्जफ्रेम की प्रक्रिया पूरी कर ली है। इस मामले में अब 22 मई को पहली सुनवाई होगी। केस के दूसरे आरोपी पूर्व डीजीपी आरबी श्रीकुमार ने डिस्चार्ज की याचिका दाखिल की है।

श्रीकुमार ने अपनी याचिका में लिखा है कि इस मामले में मेरे खिलाफ कोई केस नहीं बनता है। मेरे खिलाफ पूर्वाग्रह से ग्रसित होकर शिकायत दर्ज कराई गई है। इसलिए इस मेरा नाम डिस्चार्ज कर मुझे इस केस से बरी किया जाए। पूर्व डीजीपी श्रीकुमार ने खुद को केस डिस्चार्ज की याचिका लगाई। उन्होंने कहा- मेरे खिलाफ कोई केस नहीं है। पूर्व डीजीपी श्रीकुमार ने खुद को केस डिस्चार्ज की याचिका लगाई। कहा- मेरे खिलाफ कोई केस नहीं है।

आरोप पत्र दाखिल कर चुकी है एसआईटी: बता दें, इस मामले में एसआईटी ने अहमदाबाद की सत्र अदालत में तीस्ता सीतलवाड़, सेवानिवृत्त पुलिस महानिदेशक आर.बी. श्रीकुमार और पूर्व आईपीएस अधिकारी संजीव भट्ट के खिलाफ पिछले साल 21 सितंबर को आरोप पत्र दाखिल किया था।

मेरे खिलाफ कोई केस नहीं : श्रीकुमार

कोर्ट के आदेश पर एसआईटी को अब चार्जफ्रेम की प्रक्रिया पूरी करनी थी, जो आज कर ली गई है। यानी कि अब इस मामले में अदालती कार्रवाई शुरू हो जाएगी। जांच अधिकारी एवं सहायक पुलिस आयुक्त बी.वी. सोलंकी ने बताया कि यहां सीजेएम कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल किया गया।

तेजस्वी यादव के खिलाफ मानहानि का मामला

अहमदाबाद, (एजेंसी)। मानहानि मामले में बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के खिलाफ सोमवार को अहमदाबाद मेट्रो कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने 202 का समन जारी किया है। इसके तहत अब शिकायतकर्ता को सुबूतों के साथ कोर्ट में पेश होना होगा। इस केस की अगली सुनवाई 20 मई को होगी। बता दें, मानहानि की यह याचिका गुजरातियों को ठग कहने के मामले में अपर मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट डीजे परमार की अदालत में सामाजिक कार्यकर्ता और कारोबारी हरेश मेहता ने दर्ज कराई है। पिछली सुनवाई में तेजस्वी के वकील ने मोहलत मांगी थी।

केरल स्टोरी का रिकॉर्ड कलेक्शन

मुम्बई। फिल्म द केरल स्टोरी ने कमाई के मामले में कमाल कर दिया है। फिल्म ने रविवार यानी रिलीज के तीसरे दिन 16 करोड़ रुपए की कमाई की है। इस तरह फिल्म का कुल कलेक्शन 35.25 करोड़ हो गया है। फिल्म को लेकर काफी कॉन्ट्रोवर्सी देखने को मिल रही है, बावजूद इसके फिल्म जबरदस्त कमाई कर रही है। फिल्म के तीसरे दिन की कमाई में लगभग 42 प्रतिशत का ग्रोथ देखने को मिली। लगभग 30 से 40 करोड़ में बनी इस फिल्म ने अपनी पूरी लागत निकाल ली है। फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे आतंकी संगठन आईएसआईएस लड़कियों को बहला पुसलाकर अपने टेरर ग्रुप में रिक्रूट करता है। ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने फिल्म का लेटेस्ट कलेक्शन शेयर करते हुए लिखा, द केरल स्टोरी की कमाई की रफ्तार रुकने का नाम नहीं ले रही है। दूसरे दिन और तीसरे दिन की शानदार कमाई इसे स्मैश हिट बनाती है। हॉलीवुड फिल्म गार्जियन ऑफ द गैलेक्सी और आईपीएल से फेस ऑफ के बाद भी फिल्म अच्छी कमाई कर रही है। सोमवार को फिल्म कितनी कमाई करती है, इस पर सभी की निगाहें होंगी।

2023 की पांचवी सबसे बड़ी ओपनिंग वाली फिल्म बनी

इस साल हिंदी फिल्मों का कलेक्शन अब तक काफी साधारण रहा है। मई की शुरुआत हो चुकी है, लेकिन अब तक सिर्फ पांच फिल्में ऐसी हैं जिनका ओपनिंग वीकेंड कलेक्शन बेहतर है। शाहरुख खान की पठान ने तो इतिहास रचते हुए 280.75 करोड़ का वीकेंड कलेक्शन किया था। वहीं रणबीर कपूर की फिल्म तू झूठी मैं मक्कार ने भी पहले तीन दिनों में 70.64 करोड़ की कमाई की थी। सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान का फर्स्ट वीकेंड कलेक्शन 68.17 करोड़ रहा था। केरल स्टोरी भी इस लिस्ट में पांचवे नंबर पर आ गई है।

स्विटजरलैंड ऑफ पाकिस्तान पर तालिबान का कब्जा, बनाया कैंप

- स्वात घाटी में ही 9 अक्टूबर 2012 में हुआ था मलाला यूसुफजई पर हमला

इस्लामाबाद, (एजेंसी)। स्विटजरलैंड ऑफ पाकिस्तान कही जाने वाली पाकिस्तान की स्वात घाटी पर एक बार फिर तालिबान ने करीब-करीब कब्जा कर लिया है। स्वात वही जगह है, जहां 9 अक्टूबर 2012 को नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मलाला यूसुफजई पर हमला किया गया था।

'पाक मिलिट्री मॉनिटर' की जारी रिपोर्ट में कहा है कि पाक व अफगानिस्तान तालिबान ने बहुत तेजी से स्वात में कदम जमाए हैं। ये आतंकी संगठन बहुत जल्द इस खूबसूरत घाटी में अपने टेररिस्ट कैम्प बना सकते हैं। पाक के पत्रकार व लेखक हसन अब्बास की किताब में अफगानिस्तान की तालिबान हुकूमत और उसके पाक पर असर को लेकर यह किताब पिछले साल पब्लिश हुई थी। इसमें बताया गया था कि तालिबान के असली इरादे क्या हैं।पाक के पत्रकार और लेखक हसन अब्बास की किताब में अफगानिस्तान की तालिबान हुकूमत और उसके पाकिस्तान पर असर को लेकर यह किताब पिछले साल पब्लिश हुई थी। इसमें बताया गया था कि तालिबान के असली इरादे क्या हैं।

फौज की नाकामी और आतंकी हमलों की वजह से यहां के लोगों में डर का माहौल है। रविवार को ही आतंकी हमले में एक पुलिस अफसर और कुछ आम लोगों की मौत हुई है। सरकार ने इसकी पुष्टि तक नहीं की। शनिवार को अफगानिस्तान की तालिबान हुकूमत के फॉरेन मिनिस्टर ने पाकिस्तान के आर्मी चीफ से इस्लामाबाद में मुलाकात की थी।

स्वात में डर का माहौल

स्वात घाटी खैबर पख्तूनख्वा राज्य में आती है। यहां पिछले साल नवंबर तक इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) की सरकार थी। खान की पार्टी ने यहां लगातार 10 साल से ज्यादा हुकूमत की। पिछले साल अक्टूबर और नवंबर के दौरान 100 से ज्यादा तालिबान आतंकियों को रिहा किया गया था। इतना ही नहीं उनसे बातचीत भी की गई थी। बाद में ये नाकाम हो गई और तालिबान ने फिर हमले शुरू कर दिए।इस राज्य की सीमा अफगानिस्तान से लगती है। रिपोर्ट के मुताबिक- स्वात में अफगान और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) मिलकर हमले कर रहे हैं। इससे भी ज्यादा परेशानी की बात यह है कि खैबर पख्तूनख्वा में ही पाकिस्तानी फौज तालिबान के खिलाफ ऑपरेशन चला रही है और सबसे ज्यादा नुकसान भी उसे ही हो रहा है। 16 दिन में पाकिस्तानी फौज के 21 सैनिक मारे जा चुके हैं। इसके अलावा 8 टीचर्स की भी हत्या हुई है।

कामयाबी — जम्मू-कश्मीर में मिले भंडार से ज्यादा नागौर में है डिपॉजिट

राजस्थान में मिला लिथियम का बड़ा भंडार

नई दिल्ली ■ एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के बाद अब राजस्थान में भी लिथियम के बड़े भंडार की खोज की गई है। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) के अधिकारियों ने भी इसकी पुष्टि की। माना जा रहा है कि नागौर इलाके में मिला यह भंडार हाल में जम्मू-कश्मीर में मिले भंडार से भी बड़ा है। एक टीवी न्यूज रिपोर्ट के मुताबिक, अधिकारियों का दावा है कि राजस्थान में मिला लिथियम डिपॉजिट देश की 80 प्रतिशत मांग को पूरा कर सकती है। मालूम हो कि फरवरी में जम्मू और कश्मीर में लिथियम के भंडार की खोज की गई थी। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में 5.9 मिलियन टन लिथियम डिपॉजिट है।

लिथियम का उपयोग कहां किया जाता है?

वोक्सवैगन की एक रिपोर्ट के मुताबिक, लिथियम का ग्लोबल मार्केट काफी तेजी से बढ़ रहा है। 2008 और 2018 के बीच टॉप उत्पादक देशों में सालाना उत्पादन 25,400 से बढ़कर 85,000 टन हो गया है। लिथियम का सबसे ज्यादा इस्तेमाल इलेक्ट्रिक गाड़ियों की बैटरी में होता है। हालांकि, लिथियम का उपयोग लैपटॉप और सेल फोन की बैटरी के साथ-साथ ग्लास और सिरेमिक उद्योगों में भी किया जाता है।

भारत के लिए अच्छी खबर

बोलीविया में सबसे ज्यादा लिथियम डिपॉजिट था। इसके बाद चिली, ऑस्ट्रेलिया, चीन और अर्जेंटीना में भी डिपॉजिट मिला है। भारत की पहली बड़ी लिथियम डिपॉजिट की खोज दो साल पहले कर्नाटक में की गई थी। यहां 1600 टन का भंडार मिला था। भारत के पास अब दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा लिथियम भंडार है। राजस्थान में मिला लिथियम भारत की कुल मांग का 80 फीसदी पूरा कर सकता है। लीथियम के लिए अभी तक भारत चीन पर निर्भर है। अब माना जा रहा है कि चीन का एकाधिकार खत्म होगा और खाड़ी देशों की तरह राजस्थान की भी किस्मत चमकेगी। राजस्थान में लिथियम के भंडार डेगाना और उसके आसपास के इलाके की उसी रेनवेट पहाड़ी में पाए गए हैं, जहां से कभी टंगस्टन खनिज की आपूर्ति की जाती थी।

वायु सेना की विरासत संरक्षित रखना जरूरी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि वायु सेना ने देश की संप्रभुता की रक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और इस समृद्ध विरासत को भावी पीढ़ियों के लिए संरक्षित रखना सभी की जिम्मेदारी है।

रक्षा मंत्री सिंह ने सोमवार को चंडीगढ़ में देश के पहले वायु सेना विरासत केन्द्र का उद्घाटन करने के मौके पर कहा कि यह वायु सेना के बहादुर यौद्धाओं के लिए एक विनम्र श्रद्धांजलि है। उन्होंने कहा कि देश इन वीरों के त्याग और बलिदान के लिए सदैव ऋणी रहेगा।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
गुजरात	11	8	3	16
चेन्नई	11	6	4	13
लखनऊ	11	5	5	11
राजस्थान	11	5	6	10
कोलकाता	11	5	6	10
बेंगलोर	10	5	5	10
पंजाब	11	5	6	10
मुंबई	10	5	5	10
हैदराबाद	10	4	6	8
दिल्ली	10	4	6	8

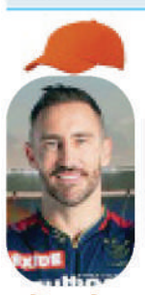

औरेंज कैप
डु प्लेसिस
511 रन

पर्पल कैप
मो. शमी
19 विकेट

खबर संक्षेप

जेफ्री ने जूनियर जीपी में पूरी की पहली रेस

एस्टोरिल। भारत के जेफ्री इमैनुएल ने क्वालीफाइंग सत्र में बाइक के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने के बावजूद यहां प्रसिद्ध सर्किट डो एस्टोरिल में एफआईएम विश्व चैंपियनशिप जूनियर जीपी के पहले दौर में अपनी पहली रेस पूरी की। चेन्नई में जन्मे 18 वर्षीय जेफ्री जूनियर जीपी में भाग लेने वाले पहले और एकमात्र भारतीय हैं। अभ्यास सत्र में उनके समय को देखते हुए हालांकि उन्हें रविवार को मुख्य रेस में भाग लेने की अनुमति दी गई। उन्होंने 29 बाइकर्स के बीच अंतिम स्थान से शुरुआत की और आखिर में 22वें स्थान पर रहे।

समद टीम में जगह बनाने बेताब था

जयपुर। सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाजी कोच हेमांग बदानी ने कहा कि राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अंतिम गेंद पर छक्का जड़कर टीम को रोमांचक जीत दिलाने वाले अब्दुल समद लगातार असफलताओं के बाद टीम में अपनी उपयोगिता साबित करने के लिए बेताब थे। यह 21 वर्षीय खिलाड़ी 2020 के सत्र से सनराइजर्स की टीम में है लेकिन कभी उपयोगी योगदान नहीं दे पाया। रविवार को हालांकि उन्होंने सात गेंदों पर 17 रन बनाए जिससे सनराइजर्स 215 रन का लक्ष्य हासिल करने में सफल रहा।

ओंकार साल्वी बने मुंबई रणजी टीम के कोच

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग की टीम कोलकाता नाइट राइडर्स के सहायक गेंदबाजी कोच ओंकार साल्वी को सोमवार को रणजी ट्रॉफी के आगामी सत्र के लिए मुंबई का मुख्य कोच नियुक्त किया गया। मुंबई के पूर्व बल्लेबाज विनीत इंदुलकर को मुंबई की सीनियर पुरुष टीम के बल्लेबाजी कोच के रूप में नियुक्त किया गया, जबकि पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज ओंकार गौरव को क्षेत्ररक्षण कोच बनाया गया। भारत के पूर्व क्रिकेटर लालचंद राजपूत की अध्यक्षता वाली क्रिकेट सुधार समिति द्वारा ये नियुक्तियां की गई। साल्वी ने 41 बार की रणजी ट्रॉफी विजेता टीम में अमोल मजूमदार की जगह ली।

सचिन ने विश्व चैंपियनशिप में जीत से की शुरुआत

ताशकंद। भारतीय मुक्केबाज सचिन सिवाच (54 किग्रा) ने सोमवार को यहां मोल्दोवा के सर्गेई नोवाक को आसानी से हराकर विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। पूर्व विश्व युवा चैंपियन सचिन पहली बार सीनियर विश्व चैंपियनशिप में भाग ले रहे हैं। उन्होंने 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से जीत दर्ज करके 'बेंथम वेट' के प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। सचिन ने मुकाबला शुरू होते ही आक्रामक रवैया अपनाया और अपने प्रतिद्वंदी पर लगातार मुक्के बरसाए।

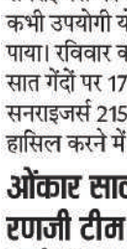

अजित और अजिंता ने ग्रुप बी में शीर्ष दो स्थान पर बनाई जगह

एजेंसी ▶▶ जिन्जू

भारतीय भारोत्तोलक अजीत नारायण और अचिंता श्युली सोमवार को यहां एशियाई चैंपियनशिप की पुरुषों की 73 किग्रा स्पर्धा के ग्रुप बी में क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर रहे। अपने पहले सीनियर अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा कर रहे अजित ने कुल 307 किग्रा (139 किग्रा + 168 किग्रा) का भार उठाया, जबकि अचिंता केवल 305 किग्रा (140 किग्रा + 165 किग्रा) का कुल भार ही उठा सके।

भारत के इन दोनों भारोत्तोलकों को उनके शुरुआती भार के आधार पर ग्रुप बी रखा गया था। भारोत्तोलन में अधिकतम शुरुआती भार रखने वाले खिलाड़ियों को ग्रुप ए और उसके बाद के खिलाड़ियों को ग्रुप बी में रखा जाता है।

एशियाई चैंपियनशिप

छह में से केवल तीन वैध प्रयास

मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन अजीत ने अपने शुरुआती दो स्नैच प्रयासों में 135 किग्रा और 139 किग्रा भार उठाया, लेकिन 141 किग्रा के अपने अंतिम प्रयास में विफल रहे। उन्होंने इसी तरह क्लीन एंड जर्क में 171 किग्रा के अपने अंतिम प्रयास में लड़खड़ाने से पहले 164 किग्रा और 168 किग्रा का भार आसानी से उठाया। मांसपेशियों में खिंचाव की चोट से उबर रहे अचिंता अपने छह प्रयासों में केवल तीन वैध भार उठा सके।

स्नैच में उठाया 140 किग्रा

जूनियर विश्व चैंपियनशिप (2021) के रजत पदक विजेता अचिंता ने अपने दूसरे प्रयास में स्नैच में 140 किग्रा का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। इस वर्ग में उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 143 किग्रा है। वह क्लीन एंड जर्क वर्ग 164 किग्रा का भार उठाने के बाद 169 किग्रा और 171 किग्रा के प्रयास में विफल रहे।

तीन पदक देने का प्रावधान

महाद्वीपीय और विश्व चैंपियनशिप में भारोत्तोलकों को स्नैच, क्लीन एंव जर्क और कुल भार के लिए अलग-अलग पदक दिए जाते है। ओलंपिक में हालांकि सिर्फ कुल भार के आधार पर ही पदक दिया जाता है। मौजूदा चैंपियनशिप 2024 पेरिस ओलंपिक की क्वालीफाइंग प्रतियोगिताओं में शामिल है जहां टोक्यो खेलों की 14 की तुलना में भारोत्तोलन की 10 स्पर्धाएं होंगी। हालांकि यह अतिरिक्त स्पर्धा है और इसे ओलंपिक में शामिल करना अनिवार्य नहीं है।

ओलंपिक क्वालिफिकेशन नियम

ओलंपिक 2024 क्वालिफिकेशन नियमों के अनुसार एक भारोत्तोलक के लिए 2023 विश्व चैंपियनशिप और 2024 विश्व कप में हिस्सा लेना अनिवार्य है। उपरोक्त दोनों प्रतियोगिताओं के अलावा भारोत्तोलकों को 2022 विश्व चैंपियनशिप, 2023 महाद्वीपीय चैंपियनशिप, 2023 ग्रांप्री एक, 2023 ग्रां प्री दो और 2024 महाद्वीपीय चैंपियनशिप में तीन प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेना होगा। अंतरराष्ट्रीय भारोत्तोलन महासंघ क्वालिफिकेशन समय खत्म होने पर प्रत्येक वजन वर्ग में ओलंपिक क्वालीफिकेशन रेटिंग जारी करेगा। अंतिम आकलन के लिए क्वालीफाइंग प्रतियोगिताओं में भारोत्तोलन के तीन सर्वश्रेष्ठ प्रयासों पर गौर किया जाएगा।

तीन पदक जीता भारत

भारतीय दल इस प्रकार इस प्रतियोगिता से तीन रजत पदक के साथ लौटा। राष्ट्रमंडल खेलों की रजत पदक विजेता बिंदयारानी देवी और युवा ओलंपिक चैंपियन जेरेमी लालरिनुंगा पदक हासिल करने में सफल रहे। बिंदयारानी ने महिलाओं के 55 किग्रा वर्ग में क्लीन एंव जर्क वर्ग के साथ अपने समग्र प्रयास के लिए दो रजत पदक अपने नाम किए। जेरेमी ने पुरुषों की 67 किग्रा स्नैच स्पर्धा में रजत पदक जीता।

आईपीएल : प्लेऑफ में जगह बनाने की उम्मीदें जीवंत

अंतिम गेंद पर जीता कोलकाता पंजाब को पांच विकेट से दी मात

▶▶ कोलकाता

कोलकाता नाइट राइडर्स ने इंडियन प्रीमियर लीग में सोमवार को यहां पंजाब किंग्स को पांच विकेट से हराकर प्लेऑफ में जगह बनाने की उम्मीदों को जीवंत रखा। पंजाब के 180 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए केकेआर ने नितीश राणा, आंद्रे रसेल और जेसन रॉय की पारियों से अंतिम गेंद पर पांच विकेट पर 182 रन बनाकर जीत दर्ज की। रिंकू सिंह ने अंतिम गेंद पर अर्शदीप सिंह पर चौका जड़कर टीम को जीत दिलाई।

पंजाब की ओर से लेग स्पिनर राहुल चाहर ने 23 रन देकर दो विकेट चटकाए लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। सैम कुरेन ने तीन ओवर में 44 रन लुटाए। इस जीत से केकेआर के 10 मैच में 10 अंक हो गए हैं जबकि पंजाब किंग्स के भी इतने ही मैच में इतने ही अंक हैं। केकेआर की टीम पांचवें जबकि पंजाब किंग्स सातवें स्थान पर है।

नितीश राणा
51 रन
38 गेंद
06 चौके
01 छक्का

वरुण ने झटके तीन विकेट

टॉस हारकर पहले बॉलिंग करने उतरी कोलकाता को हर्षित राणा ने पावरप्ले में 2 विकेट दिलाए और पंजाब को बैकफुट पर धकेला। वरुण ने मिडिल ओवर्स में घातक गेंदबाजी की और 3 विकेट लेकर पंजाब को बड़ा स्कोर नहीं बनाने दिया।

धवन का 50वां अर्धशतक

धवन कॅरियर का 50वां अर्धशतक पूरा कर चुके हैं। उन्होंने 41 गेंद पर हाफ सेंचुरी जमाई। धवन की मौजूदा सीजन की दूसरी फिफ्टी जमाई है। वे लीग में सबसे ज्यादा फिफ्टी जमाने के मामले में पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली की बराबरी पर आ गए हैं। विराट कोहली ने भी कुछ दिन पहले 50वां अर्धशतक जमाया है।

स्कोर बोर्ड

पंजाब किंग्स:	रन	गेंद	4	6
सिंह का गुरबाज बो हर्षित	12	08	3	0
धवन का अथर्वा बो नितीश	57	47	9	1
राजपक्षे का गुरबाज बो हर्षित	00	03	0	0
लिविंगस्टोन पगबाधा बो चक्रवर्ती	15	09	3	0
जितेश का गुरबाज बो चक्रवर्ती	21	18	0	2
कुरेन का गुरबाज बो सुयश	04	09	0	0
ऋषि धवन बो चक्रवर्ती	19	11	1	1
शाहरुख खान नाबाद	21	08	3	1
हरप्रीत बराड़ नाबाद	17	09	2	1

अतिरिक्त : 13, कुल : 20 ओवर में 179/7

गेंदबाजी : अरोड़ा 3-0-32-0, हर्षित 3-0-33-2, रसेल 1-0-19-0, चक्रवर्ती 4-0-26-3, सुयश 4-0-26-1, नारायण 4-0-29-0, राणा 1-0-7-1.

कोलकाता नाइट राइडर्स	रन	गेंद	4	6
रॉय का शाहरुख बो हरप्रीत	38	24	8	0
गुरबाज पगबाधा बो छोंस	15	12	1	1
राणा का लिविंगस्टोन बो चाहर	51	38	6	1
वेंकटेश का लिविंगस्टोन बो चाहर	11	13	0	0
आंद्रे रसेल रन आउट	42	23	3	3
रिंकू सिंह नाबाद	21	10	2	1
शार्दुल ठाकुर नाबाद	00	00	0	0

अतिरिक्त : 04, कुल : 20 ओवर में 182/5

गेंदबाजी : ऋषि 2-0-15-0, अर्शदीप 4-0-39-0, एलिस 4-0-29-1, कुरेन 3-0-44-0, लिविंगस्टोन 2-0-27-0, हरप्रीत 1-0-4-1, चाहर 4-0-23-2.

राहुल की जगह इशान भारतीय टीम में शामिल

एजेंसी ▶▶ मुंबई

भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए चोटिल लोकेश राहुल की जगह विकेटकीपर-बल्लेबाज इशान किशन को टीम में शामिल किया है। लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान राहुल को हाल ही में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग मैच में क्षेत्ररक्षण के दौरान दाहिनी जांघ में चोट लगी थी। डब्ल्यूटीसी का फाइनल सात से 11 जून के बीच लंदन के 'द ओवल' में होगा। बीसीसीआई ने सोमवार को एक बयान में कहा कि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट के डब्लूटीसी फाइनल में भाग लेने पर फैसला बाद में लिया जाएगा। उनादकट को आरसीबी के खिलाफ मैच से पहले एलएसजी के अभ्यास सत्र के दौरान कंधे में चोट लग गई थी। बीसीसीआई से जारी बयान में सचिव जय शाह ने कहा, 'अखिल भारतीय सीनियर चयन समिति ने लोकेश राहुल की जगह इशान किशन को चुना है।'

डब्लूटीसी फाइनल के लिए भारत की टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली, अजिंक्य रहाणे, केएस भरत (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, उमेश यादव, जयदेव उनादकट, इशान किशन (विकेटकीपर)। स्टैंडबाय (वैकल्पिक) खिलाड़ी: रुतुराज गायकवाड़, मुकेश कुमार, सूर्यकुमार यादव।

अल्कराज ने बरकरार रखा मैड्रिड ओपन का खिताब

एजेंसी ▶▶ मैड्रिड

कार्लोस अल्कराज ने तीन सेट तक चले मुकाबले में यान लेनार्ड स्ट्रफ को 6-4, 3-6, 6-3 से हराकर मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट के अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया और फिर से विश्व का नंबर एक खिलाड़ी बनने की तरफ मजबूती से कदम बढ़ाए। स्पेन का यह 20 वर्षीय खिलाड़ी अगर रोम में इटालियन ओपन का एक मैच भी खेल देता है तो वह फ्रेंच ओपन में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी के रूप में हिस्सा लेगा। रविवार रात को खेले गए फाइनल में दूसरा सेट गंवाने के बाद अल्कराज ने तीसरे सेट में पहले मैच प्वाइंट पर ही जीत दर्ज की। यह उनकी इस सत्र में 29वीं जीत है।

न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को क्लीन स्वीप करने से रोका

कराची। न्यूजीलैंड की अपेक्षाकृत कमजोर टीम ने रविवार को यहां पांचवें और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में 47 रन से जीत दर्ज करके पाकिस्तान को पांच मैचों की श्रृंखला में क्लीन स्वीप नहीं करने दिया। पाकिस्तान को इस हार से दोहरा नुकसान हुआ है और वह विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर खिसक गया है। न्यूजीलैंड की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 49.3 ओवर में 299 रन पर आउट हो गई। पाकिस्तान की टीम इसके जवाब में 46.1 ओवर में 252 रन पर सिमट गई जो उसका श्रृंखला में न्यूनतम स्कोर है। कप्तान बाबर आजम अपने 100वें वनडे मैच में केवल एक रन बना पाए। पाकिस्तान शुक्रवार को चौथा मैच जीतकर वनडे रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचा था लेकिन उसे अपनी नंबर एक रैंकिंग बरकरार रखने के लिए श्रृंखला में 5-0 से जीत दर्ज करने की जरूरत थी। विल यंग (87) और कप्तान टॉम लैथम (59) के अर्धशतकों तथा मार्क चैपमैन के 43 रन के उपयोगी योगदान से न्यूजीलैंड ने चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया।

20 सदस्यीय महिला हॉकी टीम घोषित, सविता करेंगी कप्तानी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

हॉकी इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एडिलेड में 18 मई से शुरू होने वाली तीन मैचों की श्रृंखला के लिए सोमवार को 20 सदस्यीय राष्ट्रीय महिला हॉकी टीम की घोषणा की। भारतीय टीम अपने इस दौरे में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ भी दो मैच खेलेगी। यह दौरा हांगझू एशियाई खेलों की तैयारियों के सिलसिले में किया जा रहा है। गोलकीपर सविता को टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है जबकि दीप ग्रेस एक्का टीम की उपकप्तान होंगी।

> ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एडिलेड में 18 से शुरू हो रही तीन मैचों की श्रृंखला

भारत की मुख्य कोच यानेक शोपमैन ने कहा, 'दो कड़े अभ्यास सत्र के बाद हम अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने को लेकर उत्साहित हैं। ऑस्ट्रेलिया की टीम बेहद मजबूत है और हम आक्रामक हॉकी खेलना पसंद करेंगे। हमारी कड़ी परीक्षा होगी और हम अपनी रक्षा पंक्ति को मजबूत रखकर उनकी तेजी और आक्रामकता की बराबरी करना चाहेंगे।' भारत 18, 20 और 21 मई को ऑस्ट्रेलिया का सामना करेगा जबकि इसके बाद 25 और 27 मई को ऑस्ट्रेलिया ए से भिड़ेगा। सभी पांचों मैच एडिलेड के मेट स्टेडियम में खेले जाएंगे।

विश्व के नंबर एक खिलाड़ी से संघर्षपूर्ण मैच में हारे घोषाल

शिकागो। भारत के चोटी के स्क्वाश खिलाड़ी सौरव घोषाल शुरुआती बढ़त का फायदा उठाने में नाकाम रहे और यहां विश्व चैंपियनशिप के प्री क्वार्टर फाइनल में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी डिएगो एलियास से हार गए। चार साल पहले विश्व चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले घोषाल रविवार की रात को खेले गए इस मैराथन मुकाबले में 11-9, 11-4, 6-11, 3-11, 10-12 से हार गए। घोषाल ने पहले दोनों गेम जीतकर अच्छी शुरुआत की थी लेकिन इसके बाद उन्होंने अगले दोनों गेम गंवा दिए। पांचवें और निर्णायक गेम में भी वह कुछ महत्वपूर्ण अंक हासिल करने में नाकाम रहे। इस गेम में स्कोर एक समय 10-10 से बराबरी पर था।

मां-बेटी की बॉन्डिंग उनके आपसी प्यार और केयर से तो झलकती ही है। लेकिन जब मौका हो मदर्स-डे का तो इसे सेम-सेम ड्रेस कैरी करते हुए भी शो किया जा सकता है। बेटी अगर टीनएज या यंगएज है तो अपनी मॉम के लिए और वो छोटी है तो मां उसके साथ अपने लिए भी सेम ड्रेस ले सकती हैं।

मॉम-डॉटर की सेम-सेम ड्रेस

ड्रेसअप / निधि गोयल

मदर्स-डे सेलिब्रेशन को आप कुछ यूनीक आइडियाज से स्पेशल बना सकती हैं। जैसे इस दिन अगर आप घर में ही पार्टी अरेंज कर रही हैं या फिर किसी पार्टी में जा रही हैं तो मां-बेटी अपनी ड्रेस के साथ एक्सपेरिमेंट कर सकती हैं। आप दोनों एक ही कलर, डिजाइन या प्रिंट की ड्रेस पहन सकती हैं। इससे पूरी पार्टी में आप दोनों मां-बेटी बिल्कुल अलग और स्पेशल नजर आएंगी। आइए जानते हैं कि इस मौके पर आप किस तरह की सेम कॉम्बिनेशन ड्रेस पहन सकती हैं?

वन पीस

वैसे तो यंग वूमेन ही वन पीस ड्रेस पहनना ज्यादा पसंद करती हैं लेकिन आप अपने साथ मम्मी के लिए भी सेम कलर और डिजाइन की वन पीस ड्रेस ले सकती हैं। इस ड्रेसअप में आप दोनों को वेस्टर्न लुक मिलेगा। मम्मी की इच्छा पर आप यह कर सकती हैं कि खुद वनपीस शॉर्ट ड्रेस पहनें और अपनी मम्मी को सेम कलर और डिजाइन की लॉन्ग वनपीस ड्रेस पहनाएं। इससे वे कंफर्टेबल फील करेंगी और आप दोनों में सिमलैरिटी भी नजर आएगी। आप यह एक्सपेरिमेंट भी कर सकती हैं कि आप दोनों की वन पीस लॉन्ग ड्रेस के कलर तो सेम हों लेकिन उनकी डिजाइन डिफरेंट हो।

कुर्ती और लेगिंग

अगर आप इस मौके पर सिंपल, सोबर लुक चाहती हैं तो आप दोनों एक जैसी कुर्ती और लेगिंग मार्केट से ले सकती हैं। इसमें आप दोनों का लुक ट्रेडिशनल के साथ प्यारा नजर आएगा। इसके साथ अगर आप सिल्वर टच की ज्वेलरी वियर करें तो आप दोनों और अच्छी लगेंगी। इसके साथ ही अपनी हेयर स्टाइल भी एक जैसा बनाना ना भूलें।

जींस-टीशर्ट

अगर आप इस मौके पर अपने साथ मॉम को भी मॉडर्न लुक देते हुए एक जैसी दिखना चाहती हैं तो आप डेनिम की जींस के साथ अच्छी-सी टीशर्ट पहनें। लेकिन ध्यान रखें दोनों के जींस और टीशर्ट के कलर सेम होने चाहिए। तभी तो आप दोनों पार्टी में सबसे डिफरेंट नजर आएंगी। डेनिम जींस के साथ व्हाइट या ब्लैक कलर की टीशर्ट का कॉम्बिनेशन आप दोनों पर फबेगा। इस बात का ध्यान रखें कि इस ड्रेसअप के साथ आप दोनों का मेकअप और हेयर स्टाइल भी सुटेबल होना चाहिए।

कोड सेट

आप दोनों इस खास मौके पर कोड सेट ड्रेस भी वियर कर सकती हैं। इसमें आपको कॉटन के साथ जॉर्जेट फैब्रिक का ऑप्शन भी मिल जाएगा। इनमें आपको कलर और डिजाइन की लंबी रेंज मिल जाएगी। इसमें अपर और लोअर ड्रेस सेम होते हैं और ये काफी स्टाइलिश नजर आते हैं। समर सीजन में हर उम्र की महिलाएं इसे पहनती हैं, तो आप दोनों भी कोड सेट ड्रेस पहन सकती हैं। *

दिल की बात / सरस्वती रमेश

शायद ही कोई ऐसा हो, जिसके दिल में मां के आगाध स्नेह-प्रेम को लेकर भावनाएं न उमड़ती हों। मन यही करता है, समय-समय पर मां ने जो अनमोल अनुभूतियां दी थीं, उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट की जाए। एक बेटी की मां के लिए ऐसी ही अनुभूतियां, जो आपके दिल में भी बसी होंगी, जिसे मां से साझा करना चाहेंगी।

मां हम तुम्हारे स्नेह के ऋणी हैं

मां तुम कैसे हमारे मन की सारी बातें जान लेती हो। मुझे कब, क्या चाहिए, हमारी पसंद-नापसंद सब हमारे चेहरे पर आसानी से पढ़ लेती हो। तुम मां हो या कोई जादूगरनी हो। तुम कैसे जानती हो कौन सी चीज हमें खुश कर सकती है, कौन सी चीज दुखी? हमारे खाने की प्लेटों में खीर, रायता, गाजर का हलवा परोस कर हमें खुशी से भरने वाली, हमारे जन्मदिन पर स्पेशल गिफ्ट देने वाली, त्योहारों पर हमारे हुलास को अपने हुलास से सौ गुना बढ़ाने वाली मां, जब तुम दूर होती हो तो बहुत याद आती हो।

मेरी हर परेशानी को हरने वाली : मां बचपन में जरा सी तकलीफ पर मैं आंसुओं की नदी बहा दिया करती थी। तब तुम कितनी सहजता से मुझसे कहती थीं, 'पगली कहीं की, बस इतनी सी बात पर रो रही हो।' मां हमारी कोई भी परेशानी तुम्हारे हौसले से बड़ी नहीं होती थी। एक बार जब मेरे हाथ की हड्डी टूट गई और मैं अपने आप कुछ भी करने में सक्षम नहीं रही। तब तुमने एक दिन के लिए भी मुझे हाथ टूटने का एहसास नहीं होने दिया। मुझे हर रोज नहलाया, धुलाया। अपने हाथों से खाना खिलाया, बाल संवारे। मेरे स्कूल जाकर होमवर्क लाती रही। मुझे मेरे चैप्टर समझाती रही, ताकि जब मैं स्कूल जाने के काबिल हो जाऊं तो मेरा कोर्स पीछे न छूट जाए।

तुम्हारा साथ बढ़ाता रहा मेरा हौसला : मां तुम्हारे साथ मुझे हमेशा यह एहसास होता रहा, जैसे मेरे दो नहीं चार हाथ हैं। तुम्हारा साथ पाते ही मेरा हौसला दोगुना हो जाता। उस दिन स्कूल की रेस में मैं पिछड़ रही थी। लड़कियों को आगे जाता देख मुझे रोना आ रहा था और तब घोर निराशा से मैंने तुमको देखा था। तुम तब भी पूरे जोश से तालियां बजा रही थीं। तुम्हारा मुझ पर विश्वास देखकर मैं ऊर्जा से भर उठी और पूरी ताकत से दौड़ने लगी। मैं प्रथम तो नहीं आ पाई लेकिन दूसरा स्थान जरूर हासिल किया। फिर भी तुमने आकर बड़े स्नेह से मेरी पीठ थपथपाकर शाबाशी दी। सिर पर हाथ फेरकर नम आंखों से पुचकारना, ये सब मुझे याद है। तुम्हारा वह स्पर्श आज तक मेरे साथ है। मैं जब भी किसी मुश्किल में होती हूं तुम्हारे स्पर्श को याद कर हिम्मत जुटा लेती हूं।

दया-करुणा का पाठ तुम्हारे आचरण से सीखा : मां तुमने मुझे स्नेह-स्नेह में जिंदगी के जो पाठ पढ़ा दिए, मैं उन्हीं के बल पर आज तक एक खुशहाल जिंदगी जी रही हूं। मां हमने अपने जीवन में दया, करुणा और नैतिकता का पाठ तुम्हारे आचरण से सीखा। घर में बड़ों का सम्मान, छोटों को प्यार, बीमारों की देखभाल, गरीबों पर उपकार करना तुम्हारी आदत में शुमार था। अपने सारे कर्तव्यों को निभाते हुए भी तुम्हें पास-पड़ोस के जरूरतमंद लोगों का ख्याल रहता।

तुम धरती पर ईश्वर का रूप हो : मां जीवन भर तुमने हमें दिया है, हमें अपने प्यार से सींचकर बड़ा किया और जब प्यार लुटाने की हमारी बारी आई है तो हम अपने जीवन से कितने मजबूर हो गए हैं। कभी दूरियां, कभी परिस्थितियां हमारे पैरों में बेड़ियां बन जाती हैं। मां हम चाहे तुम्हारी ममता का कर्ज उतारें या न उतारें, तुम अपने स्नेह जल से हमें सिंचित करना नहीं भूलतीं। सच, मां तुम धरती पर ईश्वर का रूप हो। हम हमेशा तुम्हारे स्नेह के ऋणी रहेंगे। *

रेसिपी / शेफ (डॉ.) मालिनी सबा

लविंग मॉम के लिए टेस्टी डिशेज

मदर्स-डे के मौके पर आप जरूर अपनी मां के लिए कुछ स्पेशल करना चाहेंगी। इसके लिए टेस्टी डिशेज बनाकर उन्हें सरप्राइज दे सकती हैं। इसीलिए हम आपको बता रहे हैं तीन टेस्टी डिशेज की रेसिपी।

पोहा-सीड ब्रेकफास्ट बाउल

सामग्री-पोहा : 3 बड़े चम्मच, काजू : 5-6, केसर के धागे : 3-4, ऑलिव और सब्जा के बीज : 2 चुटकी, दूध : 100 मिली., चीनी(ब्राउन शुगर): स्वादानुसार

विधि-सबसे पहले पानी और दूध को एक बाउल में मिक्स कर लें। फिर इसमें पोहा और काजू डाल दें। इसी के साथ इसमें केसर, ऑलिव और सब्जा के बीज भी डालें। इस मिश्रण को रात भर के लिए भिगोए रहने दें। अगले दिन सुबह इसमें स्वादानुसार चीनी (ब्राउन शुगर) डालें और ठंडा या गर्म करके अपनी प्यारी मां को यह न्यूट्रिशस ब्रेकफास्ट सर्व करें। *

अचारी पनीर टिक्का

सामग्री-दही : 2 टेबलस्पून, अदरक-लहसुन का पेस्ट : 2 टेबलस्पून, गर्म मसाला : 3/4 टेबलस्पून, नीबू का रस : 2 टेबलस्पून, सरसों का तेल : 2 टेबलस्पून, कश्मीरी लाल मिर्च पावडर : 1 टेबलस्पून, अचारी मसाला : 2 टेबलस्पून, शिमला मिर्च : 1, प्याज :1, पनीर क्यूब्स : 650 ग्राम

विधि-सबसे पहले मैरीनेट करने का मसाला तैयार करें। इसके लिए पनीर, प्याज और शिमला मिर्च छोड़कर बाकी सामग्री एक बाउल में मिला लें। अब इसमें पनीर क्यूब्स डालें और उन्हें अच्छी तरह से मिलाएं। इसके बाद बाउल को ढंककर 1 घंटे के लिए अलग रख दें। शिमला मिर्च और प्याज को बड़े आकार में बराबर साइज में काट लें। फिर लकड़ी की सींक लें और उसमें मैरीनेट किए हुए पनीर, शिमला मिर्च और प्याज के टुकड़ों को पिरोएं। इसके बाद पनीर के टुकड़ों पर थोड़ा सा तेल लगाएं और सींक को ओवन में 200c के तापमान पर लगभग 15 मिनट के लिए ग्रिल कर लें। अब ओवन से निकालकर पुदीने की चटनी के साथ अचारी पनीर टिक्का अपनी मां के सामने पेश करें। *

उरद की दाल के पकौड़े

सामग्री- साबुत उरद दाल : 1 कटोरी, बारीक कटा प्याज : 2, अदरक-लहसुन का पेस्ट : 1 चम्मच, उबले आलू : 2, कटी हरी मिर्च : 1 या 2, चाट मसाला : 1 चम्मच, कटी हरी धनिया : आधी कटोरी, बेसन : आधी कटोरी, चावल का आटा : तीन चौथाई कटोरी, मूली के लच्छे : 1 कटोरी, नमक : स्वादानुसार

विधि-सबसे पहले उरद दाल को आधा गलने तक धीमी आंच पर पकाएं। एक बाउल में प्याज, अदरक-लहसुन पेस्ट, मसला आलू, हरीमिर्च, नमक, चाट मसाला और धनिया मिलाएं। फिर दाल का पानी निकालकर इस बाउल में मिला दें। साथ ही बेसन और चावल का आटा भी मिलाएं। अब इसमें दाल के पानी को थोड़ा-थोड़ा डालकर भजिया बनाने जैसा घोल बना लें। यह तैयार हुआ बैटर हाथ या चम्मच की सहायता से उठाकर गरम तेल में पकौड़े जैसा तल लें। अब मां को मूली के लच्छों हरी चटनी के साथ पकौड़े परोसें। *

अपने बच्चे की खुशी और उसके बेहतर जीवन के लिए मां अपने सारे सुख-आराम भूला देती है। तो क्या हमें उस मां को मदर्स-डे पर स्पेशल फील कराने के लिए कुछ प्लान नहीं करना चाहिए? ऐसा करने के लिए आप कुछ आइडियाज फॉलो कर सकती हैं।

सलाह / निधि

मां को दें खुशियों की सौगात

मां साथ में हो तो वीरान से वीरान जगह भी गुलजार हो जाती है। मां के आशीर्वाद से हर मुश्किल आसान हो जाती है। इसीलिए हमारे जीवन में मां की जो अहमियत होती है, किसी और की नहीं होती। घर मां के बिना घर जैसा नहीं लगता। यह मां ही होती है, जिससे हम बड़े हक से कोई भी काम कह देते हैं, वह खुशी-खुशी पूरा भी करती है। अगर घर में कुछ सही नहीं हुआ तो उसके लिए मां को ही जिम्मेदार मानते हैं। उस पर नाराज भी होते हैं। हम मान लेते हैं कि घर को संवारने से लेकर बच्चों की परवरिश और दूसरे लोगों की जरूरतें पूरी करने की जिम्मेदारी मां की ही है। लेकिन क्या मां को हक नहीं है कि उसके लिए भी कोई एक ऐसा दिन हो, जिस दिन वह बस आराम करें, काम पूरा करने की टेंशन ना हो। तो क्यों न ऐसा दिन, इस बार मदर्स-डे पर रखा जाए। मां को ऐसी खुशी दी जाए कि वह निहाल हो जाएं, उन्हें लगे कि घर में उनकी भी अहमियत है। इसके लिए क्या करें, हम बता रहे हैं। इन्हें मदर्स-डे पर करके आप निश्चित ही मां का दिल जीत लेंगी।

लिखें एक प्यारा-सा संदेश

मदर्स-डे के दिन सुबह मां की आंख खुले तो उन्हें अपने हाथ से बनाया हुआ ऐसा कार्ड दें, जिसमें उनके लिए सुंदर पंक्तियां लिखी हों। मां जब सुबह-सुबह अपने ऊपर लिखी ये पंक्तियां पढ़ेंगी, उनका मन प्रसन्न हो जाएगा। हां, जब एक बच्चा मां के लिए कुछ अच्छा लिखता है तो उसे बेइंतहा खुशी मिलती है। तो कुछ अच्छा सोचें और मदर्स-डे पर कार्ड में लिखकर मां को जरूर दें।

घर के कामों से दें छुट्टी

मां रोज सारा दिन घर के कामों में उलझी रहती हैं, उन्हें आराम करने का समय नहीं मिलता। तो क्यों न मदर्स-डे के दिन उनको कामों से मुक्ति दी जाए। मां सुबह उठें तो देखें, घर के वे काम जिसे वे पूरा करती हैं उन कामों को करने में परिवार के सदस्य जुटे हैं। तय हुआ है कि आज सफाई से लेकर खाना बनाने का जिम्मा घर के सदस्य उठाएंगे। खाने में कुछ ऐसा जरूर हो, जो मां की पसंद का हो। कोई डिश चाहे आप घर पर बनाएं या फिर बाहर से मंगवाएं, मां की पसंद का विशेष ध्यान रखें। पूरे दिन में मां जो-जो काम करती हैं, उसे पूरी प्लानिंग के साथ घर के मेंबर्स करें। आपको भी पता चलेगा कि मां कैसे सारे कामों को मैनेज करती हैं।

दें उनकी पसंद का तोहफा

सारा दिन घर और परिवार के बारे में सोचने वाली मां के बारे में कोई कुछ सोचे, उनके लिए बस इतना ही काफी है। मां को कभी महंगे गिफ्ट्स पसंद नहीं आते। उनके लिए तो बस कोई ऐसा गिफ्ट हो, जो उनके दिल को छू जाए। जैसे, मां को अच्छे फ्रेम में मढ़ी एक ऐसी प्यारी सी फोटो दें, जिसमें पूरा परिवार हो या कोई ऐसा लम्हा हो, जिसे देखकर मां की आंखें चमक उठें। इसके अलावा आप उनकी पसंद की कोई चीज दे सकती हैं। ऐसी चीज भी गिफ्ट में दे सकती हैं, जिसकी उन्हें जरूरत है।

रात को एक साथ करें डिनर

घर के सदस्य अपने-अपने कामों में व्यस्त रहते हैं। किसी का कोई निश्चित समय लंच या डिनर के लिए नहीं होता। क्यों न इस मदर्स-डे पर परिवार के लोग मां के साथ बैठकर डिनर करें। मां को अपने साथ सबको भोजन करते देख बहुत ही खुशी मिलेगी। यह उनके लिए अनमोल पल होगा। यकीन मानिए, मां के लिए इससे बड़ा कोई तोहफा नहीं हो सकता।

इस तरह मां को स्पेशल फील करवाने के लिए आने वाले मदर्स-डे पर यहां दी सलाहें जरूर अपनाएं। आप पाएंगी कि मां ही नहीं, आपको भी एक अलग तरह की खुशी मिलेगी। *

हेल्थ केयर / रजनी अरोड़ा

जब हम छोटे होते हैं, तब तो मां हमारी सेहत का पूरा खयाल रखती ही है, हर वो जतन करती है, जिससे हम बीमार ना हो जाएं। अब जब वे मिड एज की हो चुकी हैं तो हमारी रिस्पॉन्सिबिलिटी बनती है कि हम उनकी फिजिकल-मेंटल हेल्थ का पूरा ध्यान रखें।

तब आपकी मम्मी रहेंगी हेल्दी-फिट

मां बनने के बाद अधिकतर महिलाएं खुद से ज्यादा अपने बच्चे की सेहत का ध्यान रखती हैं। बच्चे की अच्छी परवरिश में जुटी मां को पता ही नहीं चलता कि कब जिंदगी का एक पड़ाव गुजर गया। ऐसे में मिडल एज में पहुंची अपनी मां के हेल्थ की जिम्मेदारी आपको निभानी चाहिए। दरअसल, इस एज तक आते-आते महिलाओं के शरीर में हार्मोन में बदलाव आने लगते हैं, जिसकी वजह से कई शारीरिक-मानसिक समस्याएं होने लगती हैं। ऐसे में इन लक्षणों को पहचानकर सही ट्रीटमेंट करवाना चाहिए।

होती हैं ये परेशानियां : मिड एज में महिलाओं को हॉट फ्लैशेज, नाइट स्वेटिंग या बैठे-बैठे पसीने से भीग जाना, नींद न आना, बार-बार यूरिन जाने की इच्छा होना, यूरिनरी या वेजाइनल समस्याएं होना, एनीमिया, पीरियड्स में अनियमितता या उसका बंद हो जाना, चिड़चिड़ापन, सुस्ती महसूस होने लगती है। कैल्शियम की कमी होने से बोन डेंसिटी कम होना, हड्डियों-मांसपेशियों में दर्द, सिर दर्द, फिजिकल एक्टिविटीज कम होने और डाइट का ध्यान न रखने के कारण मोटापा बढ़ सकता है। कई बार अकेलेपन का भी शिकार हो जाती हैं, जिससे वे मूड स्विंग, डिप्रेशन, अकेलेपन जैसी मनोवैज्ञानिक समस्याओं का भी सामना करती हैं।

ऐसे करें केयर : मिड एज और आने वाले ओल्ड एज में भी आपकी मां हेल्दी रहें इसके लिए कोशिश करनी चाहिए कि वे व्यक्तिगत, पारिवारिक और सामाजिक स्तर पर एक्टिव रहें। साथ ही उन्हें मेडिकली हेल्दी रखने के लिए कुछ बातों पर जरूर ध्यान दें।

अपनी मां के 50वें बर्थ-डे और उसके बाद हर साल कम से कम एक बार उनका कंप्लीट मेडिकल चेकअप जरूर कराएं। इसमें जनरल हेल्थ, रिप्रोडक्टिव सिस्टम और ब्रेस्ट एग्जामिनेशन जरूर करवाएं। अगर आपकी मां ने पहले कभी पैप स्मीयर टेस्ट या सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग नहीं कराया है, तो इस उम्र में यह टेस्ट जरूर करवाना चाहिए। कई बीमारियां ऐसी होती हैं, जो पहले साइलेंट मोड में होती हैं और उम्र बढ़ने के साथ सामने आती हैं। इसलिए डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, ओबेसिटी, थायरॉयड जैसी नॉन-कम्यूनिकेबल लाइफस्टाइल डिजीज का चेकअप करवाते रहें। इसके अलावा मां की आंखों की रोशनी, दांतों संबंधी बदलावों के लिए साल-छह महीने पर चेकअप कराना चाहिए।

डाइट हो न्यूट्रिशस-बैलेंस्ड : ध्यान रखें कि आपकी मां दिन में कोई भी मील स्किप न करें। मील टाइम पर लें। बैलेंस्ड और न्यूट्रिशस डाइट लें। डाइट की क्वांटिटी के बजाय क्वालिटी इंप्रूव करें। उनकी डाइट में रंग-बिरंगे फल-सब्जियों को शामिल करें। बोंस की मजबूती के लिए उनकी डाइट में कैल्शियम, विटामिन डी, मिनरल्स को शामिल करें। चाय-कॉफी, जंक फूड, प्रोसेस्ड फूड, मिर्च-मसालेदार, शर्करायुक्त भोजन कई शारीरिक समस्याओं को ट्रिगर करते हैं। अपनी मां इन्हें देने से बचें। अपनी मां को दिन में 8-10 गिलास पानी पीने को कहें। इससे डिहाइड्रेशन से तो बचाव होगा ही, पाचन संबंधी समस्याएं नहीं होंगी, ब्लड प्रेशर मेंटेन रहेगा, कोलेस्ट्रॉल लेवल कम होगा।

लाइफस्टाइल में लाएं बदलाव : मां को अपने स्वास्थ्य की बेहतरी के लिए पॉजिटिव सोच रखने, खुश रहने, मी टाइम निकालने, लाइफस्टाइल में थोड़ा बदलाव लाने के लिए प्रेरित करें। उन्हें वॉक करने, अपनी हॉबीज को पूरा करने के लिए मोटिवेट करें। इससे वे तनाव और अवसाद से बची रहेंगी। फिटनेस के लिए अपनी मां को मनपसंद एक्सरसाइज या योगा और मेडिटेशन करने के लिए मोटिवेट करें। इस तरह रेग्युलर प्रॉपर केयर करने से आपकी मां लंबे समय तक हेल्दी और फिट रहेंगी। *

अपर जिलाधिकारी ने की बाढ़ स्टेयरिंग कमेटी की बैठक

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व की अध्यक्षता में रायफल क्लब सभागार गाजीपुर में बाढ नियंत्रण के संबंध में बाढ स्टेयरिंग कमेटी की बैठक सम्पन्न की। बैठक में संचार व्यवस्था, बाढ़ केन्द्र, बाढ़ चौकियों व बाढ़ शरणालय, नावें मंगाने हेतु वाहनों की व्यवस्था, पशुओं के चारे व चिकित्सा की व्यवस्था, कटाव निरोधक कार्यो के क्षतिग्रस्त स्थल पर मरम्मत, राहत कार्यो से सम्बन्धित विभागों या संस्थाओं में समन्वय का कार्य, बाढ़ से सम्बन्धित अन्य कार्य, चिकित्सा व्यवस्था, बाढ़ से क्षति के आकड़ों का प्रेषण, जिला स्तर पर बाढ़ नियंत्रण कक्ष, तहसील स्तर पर बाढ़ नियंत्रण कक्ष, खोज एवं बचाव सम्बन्धी उपकरण, प्रशिक्षण, लोक निर्माण विभाग द्वारा कराये जाने वाले कार्यो की समीक्षा की गयी। उन्होने निर्देश दिया कि बाढ़ से प्रभावित ग्रामों में बेहतर संचार व्यवस्था बनाने हेतु बाढ़ प्रभावित प्रत्येक ग्राम के कम से कम दस व्यक्तियों के नाम एवं उनके मोबाइल नम्बर की सूची बना ली जाए। जिसकी एक प्रति तहसील में तथा दूसरी प्रति आपदा कार्यालय में प्रेषित की जाय, ताकि बाढ़ के आने की स्थिति में इसकी सूचना पहले से ग्रामिणों को दिया जा सके, ताकि जन धन की हानि कम से कम हो सके। ग्रामवार कुछ जागरूक लोगों का वाट्सप ग्रुप बना लिया जाय जिससे कि बाढ़ सूचना का आदान-प्रदान त्वरित गति से हो सकें। बाढ़ केन्द्र पर शौचालय, प्रकाश, पेयजल, भोजन, जनरेटर, पुरूष एवं महिलाओं के लिए अलग-अलग कक्ष की व्यवस्था की जाय।

बाढ़ चौकियों व बाढ़ शरणालय के विषय पर बताया कि जनपद में कुल 107 बाढ़ चौकिया स्थापित किये गये है, तथा बाढ़ पीड़ितो को आवासीय सुविधा तथा भोजन के दृष्टिगत कुल 27 बाढ़ शरणालय खोले गये है। उपरोक्त सभी स्थानों पर प्रभारी अधिकारी की ड्यूटी लगा दी जाय। बाढ़ के समय नदी में पानी भर जाने पर गॉव वाले अपना घर छोड़ने में आना कानी करते है। जिन्हे सुरक्षित स्थान पर ले जाने के लिए तहसीलदार अथवा उपजिलाधिकारी द्वारा प्रेरित किया जायेगा। राहत शिविरों का संचालन नायब तहसीलदारों द्वारा

किया जायेगा। सिंचाई विभाग को जूनियर इंजीनियर इन बाढ़ चौकियों से सम्बद्ध रहेगे। प्रत्येक बाढ़ चौकी पर कोटेदार/ ए0एन0एम0/ आशा कार्यकत्री/ आंगनबाड़ी कार्यकत्री की सूचना उपलब्ध रहेगी। बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के उपजिलाधिकारी को निर्देशित किया कि नाव मालिकों एवं इनके संघ के अध्यक्ष से नावों की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु वार्ता कर ले। बाढ़ की स्थिति में अतिरिक्त नाव मंगाने की व्यवस्था तहसीलदार द्वारा किया जायेगा। विगत वर्ष में नावों की कमी को ध्यान में रखते हुए बाढ़ प्रभावित ग्राम पंचायतो के द्वारा नयी नावों के क्रय करने का प्रविधान कर नई नाव क्रय भी किया जाय। सभी विभागों से उपलब्ध ट्रक, बस, जे0सी0बी0, टैकर्स इत्यादि की सूचना मंगाकर आकड़ा सुरक्षित कर लिया जाये जिससे बाढ़ के समय इनका उपयोग किया जा सके।

मुख्य जिला पशुधन अधिकारी गाजीपुर को निर्देश दिया कि पर्याप्त मात्रा में पशुओं के लिए दवाओं की व्यवस्था सुनिश्चित कर ली जाय। बाढ़ के समय अथवा पूर्व पशुओं को संक्रामक रोग के टीके लगाये जायेगे। पशु चिकित्साधिकारी आवश्यकता पड़ने पर भूसा, चारा आदि की व्यवस्था सुनिश्चित कर लें। उन्होने अधिशासी अभियन्ता, देवकली पम्प नहर प्रखण्ड-प्रथम, गाजीपुर तथा जनपद के समस्त उपजिलाधिकारी अपने क्षेत्र के सभी बन्धों का निरीक्षण कर ले, यदि कोई बन्धा क्षतिग्रस्त हो या उनमें रेन कट्स एवं रैट होल्स श्याहीमांद हो तो उसका तत्काल मरम्मत करा लिया जाय। बन्धों पर आवश्यक रिजर्व स्टाक सामग्री जैसे बिक्र रोड़ा, सीमेन्ट की खाली बोरिया नायलान क्रेट आदि उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाय।

गंगा नदी से कटान वाले ग्रामों तथा जमानिया के पास एन0एच0 24 पर रोड का कटान रोकने के लिए योजना पहले से बना ले, ग्राम शेरपुर-सेमरा की सुरक्षा हेतु शीघ्र से शीघ्र व्यवस्था की जाय, एवं ग्राम पुरैना के नीचे हुए ग्रामों जैसे बयेपुर, सोकनी, कसेरा, बडहरिया, रफीपुर एवं महबलपुर आदि कटान की बराबर निगरानी रखी जाय। इसमें किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाय। बन्धों का निरीक्षण कर आख्या एक सप्ताह में आपदा कार्यालय में प्रेषित करें। बाढ़ काल में बन्धों की पेट्रोलिंग कराते रहे। शेरपुर-सेमरा, पुरैना एवं जमानियॉ क्षेत्र में सभी निमार्णाधीन बाढ़ परियोजनाओं को 15 जून 23 तक अवश्य पूर्ण कर लिया जाय। कासिमाबाद क्षेत्र में गड़ार ड्रेन पर स्थित गड़ार रेगुलेटर के तीनों गेट खुले रखे जाय जिससे कि आसपास के गांवो में जल-भराव की समस्या न उत्पन्न होने पाय साथ ही टोन्स नदी के जल स्तर बढ़ जाने पर गेटों के बन्द करने की भी व्यवस्था रखी जाय। सिंचाई विभाग एक नियंत्रण कक्ष की स्थापना करेगा, जहॉ पर सारी सूचनाये उपलब्ध रहेगी। वाढ़काल में 24?7 एक कर्मचारी वाढ़ नियंत्रण कक्ष में मोवाइल/लैण्डलाइन फोन पर उपस्थित रहकर समस्त सूचनाओं का आदान-प्रदान करेगा। उन्होने बाढ़ के समय व अनवरत वर्षा के कारण बिजली के खम्भों के गिर जाने एवं तार टूट जाने से विद्युत व्यवस्था अस्त व्यस्त हो जाती है। विद्युत आपूर्ति की निरन्तरता बनाये रखने एवं तार टूट जाने पर तत्काल बदले जाने का उत्तरदायित्व अधिशासी अभियन्ता विद्युत विभाग का होगा। उन्होने निर्देश दिया कि बाढ़ प्रभावित ग्रामों का सर्वे रजिस्टर बना लिया जाय। प्रत्येक ग्राम में कितने परिवार है तथा प्रत्येक परिवार में उनका मुखिया कौन है तथा उस परिवार में कितने सदस्य है।

नगरपालिका अध्यक्ष पद प्रत्याशी सिद्धार्थ सिंह मिक्की ने बाइक जुलूस निकालकर किया शक्ति प्रदर्शन

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। नगर निकाय चुनाव के दूसरे चरण के मतदान के आखिरी दिन सभी राजनीतिक दलों के नेता एवं प्रत्याशियों ने अपने अपने समर्थन में आखरी जोर आजमाइश करते हुए जुलूस का अपने-अपने अंदाज में अनोखे तरीके से शक्ति प्रदर्शन किया। अहरौरा नगर में निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में सिद्धार्थ सिंह मिक्की जिनका चुनाव चिन्ह बोतल खाना संख्या आठ है ने अपना शक्ति प्रदर्शन व जनसंपर्क करते हुए बाइक रैली निकाली जिसमें हजारों की संख्या में बाइक सिद्धार्थ सिंह के समर्थन में नगर भ्रमण किया वही अहरौरा के स्थानीय लोगों ने बताया कि अब तक का सबसे बड़ा यह रैली है जिसमें युवा व कर्मठ प्रत्याशी सिद्धार्थ सिंह की के समर्थन में पूरे नगरवासी एक साथ उमड़ पड़े।

पत्रकारों से वार्ता करते हुए सिद्धार्थ सिंह ने बताया कि हमें जनता यदि आशीर्वाद देती है तो सर्वप्रथम हम नगर में बनी हुई समस्या पानी और गंदगी के मुद्दे पर काम करेंगे विकास हमारा लक्ष्य होगा वही युवाओं ने सिद्धार्थ सिंह विक्की के व्यक्तित्व की सराहना करते हुए समर्थन देने की बात कही। कम उम्र में पहले ही प्रयास में निर्दलीय सभासद का चुनाव जीतकर सिद्धार्थ सिंह निक्की ने नगर के 25 वार्ड के नागरिकों का अपने स्तर से बिना भेदभाव किए काम करने की जो लग्न थी उसे देखते हुए जनता उन्हें आशीर्वाद के रूप में वोट देकर नगर का चेयरमैन बनाना चाहती है इसका सीधा उदाहरण इनके प्रत्येक जनसंपर्क एवं बाइक जुलूस पैदल जुलूस में उमड़ रही जनता का सैलाब देखकर लगाया जा सकता है। यह निर्दलीय युवा प्रत्याशी नगर के सभी दलों के प्रत्याशियों पर भारी पड़ता हुआ दिख रहा है।

घर का ताला तोड़कर लाखों के जेवर और नकदी चोरी

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जमानिया थाना कोतवाली अंतर्गत सोमवार की देर रात चोरों ने पवन चौरसिया के घर का ताला तोड़कर लाखों की चोरी कर ली। चोरों ने अलमारी के लॉकर में रखे 1लाख 60हजार नगद व लगभग दो लाख के आभूषण गायब कर दिए। इसके अलावा कमरे में रखा टीवी बर्तन आदि लेकर फरार हो गए। इसकी जानकारी तब हुई जब पीड़ित अपने परिवार समेत ससुराल से वापस घर पहुंचा। चोरी की घटना की सूचना पीड़ित ने कोतवाली पुलिस को दी। जिसके बाद आनन-फानन में मौके पर कोतवाल मय पुलिस फोर्स संग घटनास्थल पर पहुंचे। मौका मुआयना किया साथ ही अगल-बगल के लोगों व परिजनों से घटना के बारे में पूछताछ की लेकिन चोरी का कोई सुराग नहीं मिल सका। इसके बाद पीड़ित पवन चौरसिया ने कोतवाली में अपने भाई व भाभी के खिलाफ चोरी की आशंका को

लेकर तहरीर दी। जिसके आधार पर पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत कर मामले की छानबीन शुरू कर दी। पीड़ित पवन चौरसिया ने बताया कि वह और उसकी पत्नी 2 दिन पूर्व ससुराल में आयोजित शादी समारोह में शामिल होने के लिए मकान का ताला बंद कर चले गए। बताया कि उसके जाने के अगले दिन एक पड़ोसी के घर से सूचना मिली कि उसके घर का दरवाजा खुला है। इसके बाद वह अपनी पत्नी के साथ घर पहुंचा देखा दरवाजा खुला था। जबकि कमरे में रखी अलमारी का लॉकर टूटा हुआ था और उसमें रखा 1लाख 60 हजार नगद, सोने चांदी के आभूषण तथा कमरे में रखा अन्य सामान गायब था। कोतवाल महेंद्र सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर छानबीन की जा रही है।

फरार हत्या का आरोपी के घर मुनादी कराते हुए पुलिस ने चस्पा की नोटिस

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। सोमवार को नंदगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत सिहोरी ग्राम निवासी अमरजीत पासी के घर पुलिस ने धारा 82 की नोटिस चस्पा की। साथ ही पूरे गांव में डुगडुगी बजाकर मुनादी भी कराई गई। अमरजीत के ऊपर एक व्यक्ति पर फायर झोकने के मामले में धारा 307 का मुकदमा दर्ज है। इस मामले में लंबे समय से फरारी काट रहे अमरजीत के खिलाफ पुलिस ने यह कार्यवाही की है। थानाध्यक्ष कमलेश पाल ने बताया कि अभियुक्त के खिलाफ थाने में धारा 307 का मुकदमा दर्ज है। न्यायालय के आदेश पर गिरफ्तारी के लिए कई बार दबिश दी गई लेकिन वह हाथ नहीं लग सका वारंट के बाद फरार चल रहे आरोपी के घर तथा उसके संभावित ठिकानों पर कई बार छापामार कार्यवाही भी की गई परंतु पुलिस के हाथ नहीं लगा। उन्होंने बताया की धारा 82 का नोटिस चस्पा होने के बाद भी आरोपी ने सरेंडर नहीं किया तो धारा 83 के तहत संपत्ति कुर्क करने की कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी ने पोलिंग पार्टी रवानगी का किया निरीक्षण

प्रखर मिजार्पुर। छानबे उप निर्वाचन के सम्पन्न कराने के दृष्टिगत आज राजकीय पालीटेक्निक परिसर से मतदान कार्मिको की रवानगी की जा रही है। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने भ्रमण कर कार्मिको की उपस्थिति का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने ऐसे कार्मिको जिनके द्वारा अभी रवानगी स्थल पर अपनी उपस्थिति दर्ज नहीं कराई गई है, को निर्देशित करते हुए कहा कि कार्मिक अपना मतदान स्टेशनरी आदि तत्काल प्राप्त कर अपने गन्तव्य को रवाना हो जाएं, अन्यथा अनुपस्थित कार्मिको के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराते हुए वेतन रोकने के साथ विभागीय कार्रवाई भी की जाएगी। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी श्री लक्ष्मी वीएस, अपर जिलाधिकारी शिव प्रताप शुक्ला सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मातोश्री ग्राम विकास मंडल द्वारा मेधावी छात्रों का हुआ सम्मान

प्रखर मड़ियाहूं जौनपुर। कंपोजिट विद्यालय जमुवां में विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी मातोश्री ग्राम विकास मंडल द्वारा मेधावी छात्र सम्मान समारोह के तत्वावधान में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कार्तिक चौहान शिवा यादव राज यादव आशुतोष सिंह अनुज तिवारी को कुल पांच नई साइकिल 25 रैपिडेक्स इंग्लिश स्पीकिंग कोर्स एवं 150 स्कूल बैग पुरस्कार स्वरूप प्रदान किया गया।समिति के अवध नारायण रमाशंकर राजकुमार आशीष रमेश चंद्र हरिदास दयाराम दिनेशचंद्र महेश मीर चंदानी आदि की गरिमामय उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ। पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष डॉ अतुल प्रकाश यादव ने नवनिर्मित कक्षा कक्ष का लोकार्पण अपने कर कमलों से फीता काटकर किया तथा राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले 3 छात्रों को सम्मानित किया। समारोह को संबोधित करते हुए श्री यादव ने

कहा मातोश्री ग्राम विकास मंडल द्वारा शिक्षा स्वास्थ्य चिकित्सा पर्यावरण आदि के क्षेत्र में परिषदीय विद्यालय जमुआ में किया जा रहा कार्य काबिले तारीफ है शिक्षा से न केवल एक पीढ़ी बल्कि आने वाली कई पीढ़ियां शिक्षित होकर विकास की पराकाष्ठा को प्राप्त करती हैं। देश के भावी नागरिकों का निर्माण शिक्षा के माध्यम से ही किया जा सकता है मुख्य अतिथि डॉ सुरेश दूबे ने कहा कि समिति ने जो संकल्प लिया है उसे हर हाल में पूरा किया जाएगा। समारोह को पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष आनंद कुमार यादव उपाध्यक्ष जय सिंह यादव मंत्री फूलचंद तिवारी श्यामिनी सिंह दीपिका तिवारी आदि ने संबोधित किया। इस अवसर पर पारसनाथ यादव अनिल कुमार राघवेंद्र सिंह राधेश्याम आशीष गुप्ता तुलसी रानी सहित सैकड़ों गणमान्य उपस्थित रहे। अध्यक्षता मातोश्री के अध्यक्ष अवध नारायण एवं संचालन अश्वनी कुमार ने किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ है।

मॉचोमैन 'आकाश यादव' हिंदी वेब सीरीज 'भूत मंडली' के सेट पर किया गया सरप्राइज बर्थडे सेलिब्रेट

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। हर किसी के जीवन का वह अनमोल दिन जरूर आता है, जिसे जन्मदिवस के रूप में धूमधाम से मनाया जाता है ऐसा ही खुशी का वह दिन हर वर्ष की भाँति इस साल भी फिटनेस किंग मॉचोमैन 'आकाश यादव' के लाइफ में इस बार भी आया जी हाँ! भोजपुरी सिने जगत में धमाकेदार एंट्री कर रहे राइजिंग स्टार आकाश यादव का जन्मदिन इस बार बहुत ही खास बन गया है उनका यह बर्थडे काफी धूमधाम से सेलिब्रेट किया गया` मगर सबसे बड़ी बात यह हुई कि आकाश यादव का सरप्राइज बर्थडे बिग लेबल पर बन रही हिंदी वेब सीरीज की शूटिंग के सेट पर मनाया गया मौका था वसई (महाराष्ट्र) के एप्पल स्टूडियो में हिंदी वेब सीरीज के एक स्पेशल सांग की शूटिंग का और वहाँ पर आकाश को बतौर गेस्ट सेट पर

बुलाया गया` वहाँ पहुँचने पर पटाखों और फुलझड़ियों के साथ केक काटकर बर्थडे सेलिब्रेट किया गया जो उनके लिए अविस्मरणीय लम्हा बन गया` इतना सारा प्यार पाकर आकाश भावुक हो गए और पूरी यूनिट को तहेदिल से शुक्रिया अदा किया साथ ही आकाश यादव ने अपने फैंस, चाहने वाले दोस्तों व शुभचिंतकों को भी धन्यवाद दिया बता दें कि प्रज्ञा फिल्म्स के बैनर तले बन रही वेब सीरीज 'भूत मंडली' के प्रोड्यूसर चैतन्य स्वामी हैं डायरेक्टर देव पासवान हैं ईपी महेश उपाध्याय हैं` मुख्य भूमिका में अनूप जलोटा, गोविंद नामदेव, नीरज सूद, लीना जुमानी, सन्नी सचदेवा, अनुज कुमार हैं गौरतलब है कि जल्द ही रिलीज होने वाली भोजपुरी फिल्म 'सुंदरी' से आकाश यादव भोजपुरी फिल्म जगत में धमाकेदार एंट्री करने वाले हैं साथ ही उनकी एक और भोजपुरी फिल्म 'दहलीज' भी जल्द ही आने वाली है` जहां फिल्म सुंदरी में आकाश यादव के साथ जय यादव, शुभी शर्मा और यामिनी सिंह नजर आने वाले हैं, वहीं दहलीज में आकाश यादव के साथ एक्ट्रेस मनीषा यादव की केमिस्ट्री दर्शकों को लुभाने वाली है इसके अलावा उनकी हिंदी में वेब सीरीज भी बिग लेबल जल्द ही आने वाली है। बता दें कि आकाश यादव अपनी फिटनेस का बहुत ध्यान रखते हैं। अच्छी डाइट और अच्छी कसरत के बदौलत डेशिंग लुक में उनकी फोटो सोशल मीडिया पर अक्सर आती रहती है उनकी फिटनेस के प्रति दीवानगी को देखते हुए लोग उन्हें फिटनेस किंग भी कहने लगे हैं उनकी मॉचोमैन की छवि सभी को अट्रेक्ट कर रही है` परफेक्ट बॉडी और डेशिंग अंदाज में आकाश यादव अपने लुक व प्रतिभा से लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं वे अपनी अपकमिंग फिल्मों को लेकर काफी उत्साहित हैं।

अपर आयुक्त मनरेगा से मनरेगा में हो रहे भ्रष्टाचार के खिलाफ लगाई न्याय की गुहार

मुफ्तीगंज ब्लॉक में अमृत सरोवर तालाब व मनरेगा के तहत होने वाले निर्माण में जमकर धांधली का आरोप

प्रखर केराकत वाराणसी। आरटीआई कार्यकर्ता अनंत सिंह ने मुफ्तीगंज ब्लॉक के बीडियो और प्रधानों की साठ गाठ से सरकार की महत्वकांशी योजना मनरेगा में धांधली का आरोप लगाते हुए अपर आयुक्त मनरेगा से निष्पक्ष जांच कर कार्यवाई की मांग की है। केराकत तहसील निवासी आरटीआई कार्यकर्ता पटैल गाँव निवासी अनंत सिंह ने अपर आयुक्त मनरेगा लखनऊ को पत्र लिखकर आरोप लगाया है कि बीडियो मुफ्तीगंज और ग्राम प्रधानों की सांठगांठ से मनरेगा में भारी पैमाने पर धांधली की जा रही है। आरोप लगाया है कि मनरेगा का काम मजदूरों के जगह जेसीबी से लगातार कराया जा रहा है, एमएमएस प्रक्रिया होने के बावजूद भी भुगतान मोबाइल से मोबाइल किया जा रहा है। ब्लॉक में ऐसे बहुत से कार्य हैं जो अभी तक पूर्ण

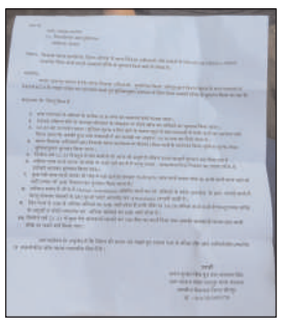

नहीं हुआ फिर भी उनका भुगतान कर दिया गया। जॉब कार्ड धारकों को कार्य में लापरवाही और फर्जी तरीके से जॉब कार्ड बनाने का भी आरोप लगाया। अनंत सिंह ने निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए बताया कि अमृत सरोवर तालाब के निर्माण में धांधली की जा रही है, जिसकी शिकायत डीएम से कई बार की गई। जिस पर डीसी मनरेगा मौके पर पहुंचे है और जांच में भ्रस्टाचार किया जाता है।

संक्षिप्त खबरें

शराब पीने का विरोध करने पर विवाहिता की पिटाई, मुकदमा दर्ज

प्रखर पिंडरा वाराणसी। सिंधौरा थाना क्षेत्र के झझोर गाँव निवासी धर्म राज पटेल ने बड़ागाँव थाने पर दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया कि उन्होंने अपनी लड़की मधु की शादी नौ वर्ष पूर्व प्रदीप पटेल से की थी और प्रदीप शराब पीता था और विरोध करने पर मधु को अक्सर मारते पीटते थे और रविवार को भी पत्नी से शराब पीने को लेकर विवाद हुआ और प्रदीप ने उसकी पिटाई कर दी। पिटाई के बाद से ही मेरी बेटी व उसका पांच वर्षीय बेटा लापता है । मधु की 8 वर्षीय बेटी ने बताया कि उसकी माँ से आये दिन किसी न किसी बात को लेकर प्रदीप व उसके परिजन मार पीटते थे । बड़ागाँव पुलिस ने पीड़ित पिता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर पूरे प्रकरण की जांच कर रही है।

मस्तान बाबा का उर्स व मेला कल

प्रखर पिंडरा वाराणसी। क्षेत्र प्रसिद्ध सैयद मस्तान बाबा के मजार पर हर वर्ष आयोजित होने वाला उर्स व मेला 11 मई को होगा। काशीपुर में होने वाला उर्स व मेले के तैयारियों को आयोजकों द्वारा अंतिम रूप दिया जाने लगा। इस बाबत जानकरी देते हुए उर्स व मेला कमेटी के प्रबन्धक हारून शाह ने बताया कि उक्त उर्स में पूर्वी उत्तर प्रदेश के आजमगढ़, गाजीपुर, चंदौली, भदोही, सोनभद्र जौनपुर समेत अनेक जिलों से भक्त आते है। मन्नते पूरी होने पर चादर चढ़ाते हैं। उर्स व मेला रात्रिभर चलता है। इस दौरान कौव्वाली का भी प्रोग्राम होता है।

ईजा ने प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव संजय कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में समाजसेवी अजय सिंह को किया सम्मानित

प्रखर गंभीरपुर /आजमगढ़। अराजीबाग स्थित पूर्वांचल गायक कलाकार राजेश रंजन कलाकार एसोसिएशन के कार्यालय पर भारतीय जनता पार्टी की जिला उपाध्यक्ष समाजसेवी अजय सिंह जी को आइडियल जर्नलिस्ट एसोसिएशन के प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव साहित्यकार संजय कुमार पांडेय ने सम्मान पत्र एवम गायक कलाकार राजेश रंजन एवम पूर्व प्रधान भोला त्रिपाठी द्वारा अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया है। इस अवसर पर साहित्यकार संजय कुमार पांडे ने कहा एसोसिएशन बराबर समाज में अच्छे कार्य करने वालों को सम्मानित करने का काम करता है। श्री पांडे ने कहा को रोना कॉल में अजय सिंह गरीबों की काफी मदद करने का काम किया। अपने सम्मान से अभिभूत जिला उपाध्यक्ष समाजसेवी अजय सिंह ने कहा एसोसिएशन ने जो हमारा सम्मान किया है उसके प्रति आभार पर करता हूं और कहा की एसोसिएशन को हमारी जहा जरुरत महसूस होगी हम उनके मांन सम्मान अधिकार के लिए हर समय मजबूती से खड़ा रहने का काम करूंगा। इस अवसर पर पूर्व प्रधान छात्र नेता भोला त्रिपाठी, मंडल संयोजक मनोज पाण्डेय,राजू अस्थाना, शशांक सिंह,विपिन सिंह, रमेश निसाद,सोनू वर्मा,संजना सहित दर्जनों की संख्या में कलाकार उपस्थित थे। इस अवसर पर गायक कलाकार राजेश रंजन अपने गीत के माध्यम से अजय सिंह का स्वागत करते आए हुए अतिथियों का आभार प्रकट किया।

प्राणघातक हमले के मामले में दो आरोपितों को मिलीं अंतरिम जमानत

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। प्राणघातक हमला करने के मामले में दो आरोपित को अंतरिम जमानत मिल गयी। जिला जज डॉ अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत ने आदमपुर थाना निवासी आरोपित अफसर उर्फ मोहम्मद नोमान व रमजान को 50-50 हजार रुपये की दो जमानते एवं बंधपत्र देनें पर अंतरिम जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया। अदालत में बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता अनुज यादव, मेराज फारूकी जुग्गन व अजय पाल ने पक्ष रखा अभियोजन पक्ष के अनुसार चंदुपुरा निवासी वादी नसीम अहमद ने थाना आदमपुरा में प्राथमिकी दर्ज कराई थी आरोप था 25 अगस्त 2022 को रात्री 12:30 बजे वादी अपने घर के दरवाजे पर बैठा था उसी दौरान पुरानी रंजिश को लेकर चंदुपुरा थाना निवासी आरजू, अफसर अहमद, रमजान व मुस्ताक ने गाली गुप्ता देतें हुए लाठी लंडे, राड व प्राणघातक हमला करते हुए मारने-पीटने लगे` इस दौरान शोर सूनकर जब उसका भांजा बीच-बचाव करने पहुंचा तो उसे भी मारा-पीटा जिससे दोनों के सिर व पैर में गंभीर चोट आई। शोर सूनकर जब आसपास के लोग जुटने लगे तो सभी हमलावर वहां से भाग निकले।

7 अदद प्रतिबंधित कारतूस के साथ एक अपराधी गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये गये अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण जनपद गाजीपुर व क्षेत्राधिकारी कासिमाबाद के कुशल निर्देशन में सोमवार को प्रभारी निरीक्षक कासीमाबाद मय हमराह द्वारा 01 अभियुक्त सुधीर सिंह पुत्र सुरेन्द्र सिंह नि0 ग्राम इन्दौर थाना कासिमाबाद जनपद गाजीपुर को मुखबिर की सूचना पर ग्राम खजुरगाव थाना कासिमाबाद जनपद गाजीपुर से गिरफ्तार किया गया जिसके कब्जे से 07 अदद जिन्दा कारतूस 7.62

एमएम प्रतिषेद्ध बोर बरामद हुआ। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध आर्म्स एक्ट पंजीकृत करते हुए अन्य विधिक कार्यवाही कर माननीय न्यायालय को भेजा जा रहा है।गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक शिव प्रताप वर्मा थाना कासिमाबाद, हेड कांस्टेबल सतीश कुमार यादव, कांस्टेबल राजेश कुमार, कांस्टेबल विकास सिंह, महिला कांस्टेबल शांति पाण्डेय शामिल रहे।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोड: 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालय: 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोड: 233001
सम्पर्क सूत्र: 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं